संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 58 रविवार 29 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

पंचतत्व में विलीन हुए पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह,राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

बेटी ने दी मुखाग्नि दी

नई दिल्ली,28 दिसम्बर 2024(ए)। आर्थिक सुधारों के जनक पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पंचतत्व में विलीन हो गए. पूर्व पीएम की बेटी ने उन्हें मुखाग्नि दी। उनका निगम बोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। तीनों सेनाओं ने उन्हें सलामी दी।

इससे पहले निगम बोध घाट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने उन्हें श्रद्धांजली दी. राहुल गांधी ने उन्हें कंधा भी दिया।

अंतिम यात्रा से पहले सिंह का पार्थिव शरीर कांग्रेस मुख्यालय में रखा गया था, जहां कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी. पूर्व प्रधानमंत्री का पार्थिव शरीर उनके आवास से सुबह करीब नौ बजे कांग्रेस मुख्यालय लाया गया, जहां पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उनके अंतिम दर्शन के लिए पहले से ही इंतजार कर रहे थे।

मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर रखे जाने के बाद सोनिया गांधी, खरगे, राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा तथा पार्टी के कई अन्य नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर और उनके परिवार के कुछ अन्य सदस्य भी कांग्रेस मुख्यालय में मौजूद थे। गुरशरण कौर ने भी पुष्प अर्पित करके अपने पति को अंतिम विदाई दी। राहुल गांधी मनमोहन सिंह के परिवार को ढांढस बंधाते हुए उनके साथ पार्टी मुख्यालय के भीतर

बड़ी बेटी ने दी मुखाग्नि

पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह को दिल्ली के निगम बोध घाट पर नेताओं और परिवार द्वारा अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की बड़ी बेटी ने मुखाग्नि दी। इसी के साथ वह हमेशा के लिए पंचतत्व में विलीन हो गए।

दाखिल हुए थे।

मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक 10 वर्ष देश के प्रधानमंत्री रहे और उससे पहले उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत करने में मदद की। उनके नेतृत्व वाली सरकार ने सूचना का अधिकार (आरटीआई), शिक्षा का अधिकार (आरटीई) और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) जैसी युग परिवर्तनकारी योजनाओं की शुरूआत की। मनमोहन सिंह 1991 में नरसिम्हा राव सरकार में भारत का वित्त मंत्री नियुक्त किया गया था. बता दें कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गरुवार रात दिल्ली स्थित एम्स में निधन हो गया. वह 92 वर्ष के थे।

पीएम मोदी और राष्ट्रपति ने दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निगम बोध घाट पर पूर्व पीएम डॉक्टर मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी निगम बोध घाट पर पहुंच कर पूर्व पीएम को श्रद्धांजलि दी।

निगम बोध घाट पर पहुंचे कई वैश्विक नेता

पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए निगम बोध घाट लाया गया। यहां पर कई वैश्विक नेता पहुंचे हुए हैं।

राहुल और प्रियंका गांधी ने दी श्रद्धांजलि

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने कांग्रेस मुख्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दी श्रद्धांजलि

पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर एआईसीसी मुख्यालय में रखा गया है। जहां पार्टी कार्यकर्ता उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दे रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी है।

फिलिस्तीन दूतावास के प्रभारी ने दी श्रद्धांजलि

पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर नई दिल्ली स्थित फिलिस्तीन दूतावास के प्रभारी अबेद एलराज़ेग अबू जाज़र ने कहा, हम आज कांग्रेस पार्टी और भारत के लोगों, सभी मित्रों और परिवार के प्रति एक बुद्धिमान व्यक्ति, पूर्व प्रधानमंत्री और एक अर्थशास्त्री के निधन पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

महत्वपूर्ण खबर

का बड़ा फैसला,शहीदों के परिवारों को अब मिलेगी एक करोड़ की अनुग्रह राशि

चंडीगढ़,28 दिसम्बर 2024(ए)। सरकार हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को प्रदेश के विकास को लेकर कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर शोक जताया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बैठक के बाद मीडिया को बताया कि सेना और सीआरपीएफ के शहीदों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अलावा हिंदी आंदोलन-1957 के मातृभाषा सत्याग्रहियों के लिए मासिक पेंशन को 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये करने की स्वीकृति दी गई है।

सीएम सैनी के अनुसार, हरियाणा मंत्रिमंडल ने शहीद सब इंस्पेक्टर जय भगवान की पत्नी कमलेश शर्मा को शामलात देह भूमि से 200 वर्ग गज का भूखंड आवंटित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। उल्लेखनीय है कि फरीदाबाद के बल्लभगढ़ ब्लॉक के हीरापुर गांव के रहने वाले शहीद जयभगवान 12 दिसंबर 1995 को आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान शहीद हो गए थे। हरियाणा मंत्रिमंडल ने बाह्य विकास शुल्क (ईडीसी) की गणना के लिए इंडेक्सेशन मैकेनिज्म के संशोधन को मंजूरी दी है।

गहलोत राज में बने 9 जिले और 3 संभाग खत्म

जयपुर,28 दिसम्बर 2024(ए)। भजनलाल सरकार द्वारा गहलोत शासन में बनाए गए 9 जिलों और 3 संभागों को समाप्त करने का निर्णय प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक व्यवहारिक और सुगठित बनाने की दिशा में एक ठोस कदम के रूप में देखा जा सकता है। यह निर्णय वित्तीय संसाधनों के उचित उपयोग और जनसंख्या के संतुलन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

नए जिलों और संभागों के गठन में कई व्यवहारिक समस्याएं थीं, जैसे कि पर्याप्त तहसीलें न होना, पद सृजन और कार्यालयों की व्यवस्था की कमी। समीक्षा समिति ने इन जिलों की उपयोगिता को लेकर स्पष्ट निष्कर्ष निकाला, जिससे यह निर्णय लिया गया।

बालोतरा,ब्यावर,डीग,डीडवाना-कुचामन, कोटपूतली-बहरोड, खैरथल-तिजारा, फलौदी और सलूंबर।

मणिपुर में फिर हिंसा

गोलीबारी और बमों से गांव पर किया अटैक

इंफाल,28 दिसम्बर 2024(ए)। मणिपुर के इंफाल ईस्ट के गांवों में कुछ हथियार बंद लोग आए और अचानक गोली बारी करने लगे। इस घटना पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि इम्फाल ईस्ट के सनसाबी और थमनापोकपी में कुकी उग्रवादियों की ओर से की गई अंधाधुंध गोलीबारी की कड़ी निंदा करता हूं। इस घटना में कई नागरिक और सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं। राज्य के निर्दोष लोगों पर इस तरह गोलीबारी की घटना बेहद कायरतापूर्ण है। बिना किसी कारण के किया गया ये हमला शांति और सद्भाव पर हमला है। उन्होंने कहा कि गोलीबारी से प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षाकर्मी भेजे गए हैं। घायलों को जरूरी सहायता मिल रही है और सरकार ऐसी चुनौतियों का सामना करने के लिए शांति और एकता का आह्वान करती है। ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस के बीच उचित समन्वय और समझ होनी चाहिए।

मनमोहन सिंह की मौत पर शोक में डूबा पाकिस्तान का ये गांव,जानें क्या था रिश्ता

बता दें कि मनमोहन सिंह के पिता गुरमुख सिंह कपड़ा व्यापारी थे और उनकी मां अमृत कौर गृहिणी थीं। मनमोहन सिंह का बचपन पाकिस्तान के गाह गांव में ही बीता और उन्हें बचपन में उनके दोस्त 'मोहना कहकर बुलाते थे। पाकिस्तान का गाह गांव राजधानी इस्लामाबाद से लगभग 100 किमी दक्षिण पश्चिम में स्थित है और मनमोहन सिंह के जन्म के समय यह झेलम जिले का हिस्सा था लेकिन 1986 में इसे चकवाल जिले में शामिल कर लिया गया था। गाह गांव के सबसे प्रतिष्ठित स्कूल से मनमोहन सिंह ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी। आज भी स्कूल के रजिस्टर में उनकी प्रवेश संख्या 187 है, और प्रवेश की तारीख 17 अप्रैल, 1937 दर्ज है और उनकी जन्मतिथि 4 फरवरी, 1932 और उनकी जाति 'कोहली के रूप में दर्ज है।

मनमोहन को लोग ऐसे कर रहे हैं याद

जहां मनमोहन ने शिक्षा ली, गाह गांव के उस स्कूल के शिक्षक ने कहा, ''डॉ. मनमोहन सिंह अपने जीवनकाल में गाह नहीं आ सके, लेकिन अब जब वह नहीं रहे तो हम चाहते हैं कि उनके परिवार से कोई इस गांव का दौरा करने आए।

सिंह के कुछ सहपाठियों का अब निधन हो गया है जिन्होंने 2004 में उनके प्रधानमंत्री बनने के समय खुशी व्यक्त की थी। इन सहपाठियों के परिवार अब भी गाह में रहते हैं और सिंह के साथ अपने पुराने संबंध पर गर्व महसूस करते हैं।

संदीप दीक्षित की शिकायत के बाद एलजी ने पुलिस कमिश्नर को दिए जांच के आदेश,मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली ,28 दिसंबर 2024(ए)। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने बीते दिनों पंजाब पुलिस पर जासूसी का आरोप लगाया था। इसके बाद दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने पुलिस आयुक्त को निगरानी संबंधी आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं।

पंजाब के खुफिया अधिकारियों की मौजूदगी के आरोपों पर उपराज्यपाल कार्यालय ने पुलिस आयुक्त को मामले की जांच करने और तीन दिन के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

संदीप दीक्षित ने पंजाब सरकार के खुफिया कर्मियों पर बार-बार उनके आवास पर आने और उनके घर के बाहर अपने वाहन पार्क करने का आरोप लगाया है।

एलजी कार्यालय ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, यह पूर्व सांसद संदीप दीक्षित से संबंधित विषय है। उन्होंने पंजाब सरकार के खुफिया कर्मियों द्वारा कथित तौर पर उनके आवास पर आने और उनके घर के बाहर अपने वाहन पार्क करने के बारे में गंभीर चिंता जताई है।

दीक्षित ने दावा किया कि ये कार्रवाइयां आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इशारे पर की जा रही हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि यह उन्हें डराने और चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने से हतोत्साहित करने का प्रयास हो सकता है।

मामले का संज्ञान लेते हुए उपराज्यपाल ने विशेष रूप से आगामी चुनावों के मद्देनजर निष्पक्ष लोकतांत्रिक माहौल सुनिश्चित करने के महत्व पर बल दिया।

अब दिल्ली तक दौड़ेगी नमो भारत ट्रेन

आज PM मोदी करेंगे आनंद विहार स्टेशन का उद्घाटन

गाजियाबाद ,28 दिसंबर 2024(ए)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को साहिबाबाद से आनंद विहार स्टेशन तक नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके मद्देनजर गाजियाबाद में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक इस कार्यक्रम की तैयारी के लिए गाजियाबाद पुलिस ने आठ थाना क्षेत्रों को ड्रोन रहित क्षेत्र घोषित किया है। प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोतवाली, मधुबन बापूधाम, नंदग्राम, लिंक रोड, साहिबाबाद, इंदिरापुरम, सिहानी गेट और कौशांबी थाना क्षेत्रों में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

BNS की धारा 163 लागू

पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163

(उपद्रव या खतरे की आशंका के तत्काल मामलों में आदेश जारी करने की शक्ति) भी लागू की है। कुमार ने कहा, पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और हम जल्द ही कार्यक्रम के दौरान सुचारू आवाजाही के लिए मार्ग परिवर्तन योजना जारी करेंगे।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य अंकित गिरफ्तार

चंडीगढ़,28 दिसम्बर 2024 (ए)। हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की सोनीपत यूनिट ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य अंकित नरवाल को गिरफ्तार किया है। अंकित फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश भागने की योजना बना रहा था। वह चार गंभीर अपराधों में शामिल था और हाल ही में जमानत पर जेल से बाहर आया था।

सोनीपत एसटीएफ को जानकारी मिली थी कि अंकित नरवाल, जो सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहता था, विदेश भागने की तैयारी कर रहा था। इस पर एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए अंकित को गिरफ्तार किया।

अयोध्या महोत्सव में बना विश्व कीर्तिमान

अयोध्या ,28 दिसम्बर 2024 अयोध्या महोत्सव में कन्यापूजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन शुक्रवार को किया गया। जिसमें अयोध्या महोत्सव न्यास ने दुरदुरिया पूजन के बाद दूसरा विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह आयोजन अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक महत्व को प्रदर्शित करने का एक अद्वितीय अवसर था। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रांत प्रचारक कौशल किशोर ने किया। कन्या पूजन कार्यक्रम को अयोध्या की भव्यता से जोड़ा और कार्यक्रम आयोजन समिति की सराहना की।

मनमोहन सिंह के परिवार और सिख समाज की भावनाओं का सम्मान करे केंद्र सरकार : मायावती

लखनऊ,28 दिसम्बर 2024(ए)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नाम स्मारक बनाने के लिए केंद्र सरकार से मांग की।

मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि केंद्र सरकार देश के पहले सिख प्रधानमंत्री रहे डा. मनमोहन सिंह के देहांत होने पर उनका अंतिम संस्कार जहां करें वहीं सम्मान में स्मारक आदि बनवाएं जहां उनके परिवार की दिली इच्छा है।

उन्होंने आगे लिखा कि इसके लिए कोई भी राजनीति करना ठीक नहीं है और इन मामलों में केंद्र सरकार इनके परिवार की व सिख समाज की भी भावनाओं का ज़रूर सम्मान करे तो यह उचित होगा।

मायावती का ये पोस्ट कांग्रेस की उस मांग के बाद आया है जिसमें उसने केंद्र

से अंतिम संस्कार स्थल पर ही स्मारक बनाने की अपील की है।

गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। तबीयत बिगड़ने के बाद गुरुवार को उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। मनमोहन सिंह ने एम्स के आपातकालीन विभाग में अंतिम सांस ली। दिल्ली एम्स की ओर से आधिकारिक बयान जारी कर उनकी निधन की पुष्टि की गई थी।

दिल्ली एम्स ने अपने आधिकारिक बयान में बताया कि वह उम्र संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे और 26 दिसंबर को वह घर पर अचानक बेहोश हो गए थे। इसके बाद घर पर उन्हें तत्काल उपचार दिया गया। उन्हें शाम 8.06 बजकर एम्स के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। इन सब प्रयासों के बावजूद उनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ और रात 9.51 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। ज्ञात हो कि मनमोहन सिंह साल 2004 से 2014 तक दो बार प्रधानमंत्री रहे थे। उनकी गिनती देश के बड़े अर्थशास्त्रियों में होती थी।हो गया. वह 92 वर्ष के थे.

संपादकीय

ट्रंप से भारतीय उद्योग जगत का विशाल अवसर

जीटीआरआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा है- डॉनल्ड ट्रंप के फिर राष्ट्रपति बनने से व्यापार की उभर रही सूरत भारतीय उद्योग जगत के लिए एक विशाल अवसर है, क्योंकि वे मेक्सिको, कनाडा, चीन और अन्य देशों पर नए शुल्क लगाने जा रहे हैं।'कहानी पुरानी है। दुनिया में जब कोई बड़ा बदलाव आता है, तो भारत के राजनेता, थिंक टैंक, विशेषज्ञ और मीडिया धारणा बनाते हैं कि उससे भारत के लिए बड़ा अवसर पेश आएगा। मगर लगभग हर बार मौका निकल जाता है! तब किसी ऐसे नए अवसर' से उम्मीद जोड़ी जाती है! डॉनल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल में चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध छेड़ा, तब कहा गया था कि उससे भारत के लिए बड़ा मौका पेश आएगा। निम्न-स्तरीय उत्पादन श्रृंखला में चीन का जो स्थान है, वह धीरे-धीरे खिसक कर भारत आ जाएगा। लेकिन अब विशेषज्ञ और थिंक टैंक ही नहीं, बल्कि भारत सरकार की संस्थाएं भी मानती हैं कि वो अवसर भारत ने गंवा दिया।अब नए हैंडबैग के साथ संसद पहुंची प्रियंका गांधी अब ट्रंप फिर राट्रपति बनने जा रहे हैं, तो पुरानी बातें भूल कर फिर माहौल बनाया जा रहा है कि उनके दूसरे कार्यकाल की नीतियां भारत के लिए बहुत बड़ा अवसर साबित होंगी। नई दिल्ली स्थित आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने एक ताजा रिपोर्ट में कहा है- डॉनल्ड ट्रंप के फिर राट्रपति बनने से व्यापार की उभर रही सूरत भारतीय उद्योग जगत के लिए एक विशाल अवसर है, क्योंकि वे मेक्सिको, कनाडा, चीन और अन्य देशों पर नए शुल्क लगाने जा रहे हैं।' जीटीआरआई शायद इस संभावना को भूल गई कि उन अन्य देशों में भारत भी एक हो सकता है। ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान जिन पक्षों को अनुचित व्यापार व्यवहार में लगा बताया था, उनमें यूरोपियन यूनियन और भारत भी हैं। बहरहाल, ये आशंका टल भी गई, तो भी यह सवाल तो बना रहेगा, जैसाकि खुद जीटीआरआई ने भी स्वीकार किया है कि ट्रंप-1 से बने अवसर भारत के हाथ से निकल गए? संस्था ने कहा है कि उस अवसर का सबसे ज्यादा लाभ मेक्सिको, कनाडा, एवं आसियान देशों ने उठाया। इसकी वजह स्थानीय सप्लाई चेन और महत्वपूर्ण माध्यमिक इनपुट्स के उत्पादन में भारत की कमजोरी रही। संस्था की सलाह है कि भारत को ये कमजोरियां दूर करनी चाहिए। मगर यही तो असल बात है। ये आखिर कैसे और कब होगा?

भारत की आर्थिक क्रांति के सूत्रधार थे मनमोहन सिंह

घटती-घटना
योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

देश के आर्थिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारत के 14वें प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के निधन के साथ ही एक ऐसे नेता के युग का अंत हो गया, जिसने आधुनिक भारत के आर्थिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मनमोहन सिंह ने 92 वर्ष की उम्र में 26 दिसंबर की रात दिल्ली के एम्स अस्पताल में अंतिम सांस ली। अपने शांत स्वभाव और बौद्धिक कौशल के लिए जाने जाने वाले मनमोहन सिंह ने भारत में ऐतिहासिक आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत करने में अहम भूमिका निभाई थी। 1991 में व्यापक सुधारों का श्रेय उन्हें ही दिया जाता है, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को खोला, तथाकथित लाइसेंस-परमिट राज को खत्म किया और वैश्विक मंच पर भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनने के मार्ग पर मजबूती से स्थापित किया। एक शिक्षाविद, अर्थशास्त्री और राजनीतिज्ञ के रूप में उनकी यात्रा न केवल प्रेरणादायक रही बल्कि उनके द्वारा किए गए आर्थिक सुधारों और राजनीतिक निर्णयों ने भारत के इतिहास में एक नई दिशा दी। उन्हें आधुनिक भारत के आर्थिक सुधारों का वास्तुकार भी कहा जाता है।

डा. मनमोहन सिंह ने जुलाई 1991 में अपने बजट भाषण के अंत में कहा था कि दुनिया की कोई भी ताकत उस विचार को नहीं रोक सकती, जिसका समय आ गया है, मैं इस सम्मानित सदन को सुझाव देता हूं कि भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है। मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत ने आर्थिक विकास में उल्लेखनीय वृद्धि की। 2004 से 2014 तक भारत 10वें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया था, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई थी। मनमोहन सिंह ने एक दशक से भी ज्यादा समय तक अभूतपूर्व विकास और वृद्धि की दिशा में देश को नेतृत्व प्रदान किया। उनके द्वारा किए गए प्रमुख सुधारों में उदारीकरण के तहत लाइसेंस राज की समाप्ति और व्यवसाय शुरू करने के लिए सरल प्रक्रियाओं का निर्माण, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के दरवाजे खोलना और विदेशी व्यापार को प्रोत्साहित करना, कर ढ़ांचे को सरल और पारदर्शी बनाना, भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए बाजार पर आधारित सुधार लागू करना, ग्रामीण रोजगार और गरीबी उन्मूलन के लिए 'मनरेगा' लागू करना शामिल हैं। इन सुधारों ने भारत को आर्थिक संकट से बाहर निकाला और उसे विश्व अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित किया।

भारत ने डा. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान ऐतिहासिक वृद्धि दर देखी, जो औसतन 7.7 प्रतिशत रही और उसी के परिणामस्वरूप भारत करीब दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में सफल रहा था। उन्हें न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री रहे, जिन्हें न केवल उन कार्यों के लिए स्मरण किया जाता रहेगा, जिनके जरिये उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया जाएगा। उन्होंने न केवल आर्थिक विकास की गति को बनाए रखा बल्कि सामाजिक और विकासशील नीतियों पर भी जोर दिया। हालांकि उनका कार्यकाल आलोचनाओं से भी अछूता नहीं रहा। अपने दूसरे कार्यकाल में उन्हें आर्थिक चुनौतियों और भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा और निर्णय लेने में धीमापन उनकी सरकार के लिए नकारात्मक साबित हुए। 2जी घोटाला उनके कार्यकाल के सबसे बड़े विवादों में से एक रहा। इसके अलावा कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाले को 'कोलगेट' के नाम से जाना गया। उनके दूसरे कार्यकाल में आर्थिक सुधारों की गति धीमी रही।

22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक दो बार भारत के प्रधानमंत्री रहे डा. मनमोहन सिंह की छवि बेहद कम बोलने वाले और शांत रहने वाले व्यक्ति की रही। हालांकि जब भी वे कुछ बोलते थे, वह सुर्खियां बन जाती थी। मनमोहन सिंह ने ही कहा था कि राजनीति में लंबे समय तक कोई दोस्त या दुश्मन नहीं होता। वह कहा करते थे कि मैं एक खुली किताब की तरह हूं और मेरे दस वर्ष का कार्यकाल इतिहासकारों के मूल्यांकन का विषय है। उन्होंने 27 अगस्त 2012 को संसद में कहा था कि हजारों जवाबों से अच्छी मेरी खामोशी है, जिसने न जाने कितने सवालों की आबरू रखी। डा. मनमोहन सिंह को उनके अलोचकों द्वारा 'मूक प्रधानमंत्री' की संज्ञा दी जाती थी लेकिन उन्होंने आमतौर पर इस पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी। इस पर उनकी पहली प्रतिक्रिया दिसंबर 2018 में उनकी पुस्तक 'द चेंजिंग इंडिया' के विमोचन के अवसर पर सामने आई थी, जब उन्होंने कहा था कि जो लोग कहते हैं कि मैं एक मूक प्रधानमंत्री था, मुझे लगता है कि मेरी ये पुस्तकें बोलती हैं।

बतौर प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह लोकसभा में 23 मार्च 2011 को विपक्ष के सवालों का जवाब दे रहे थे। उस दौरान सदन में नेता प्रतिपक्ष सुषमा स्वराज ने उन पर तंज करते हुए कहा था, 'तू इधर-उधर की न बात कर, ये बता कि कारवां क्यों लुटा, मुझे रहजनों से गिला नहीं, तेरी रहबरी का सवाल है।' इसके जवाब में डा. मनमोहन सिंह ने कहा था, 'माना के तेरी दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक तो देख मेरा इंतजार तो देख।' डा. मनमोहन सिंह ने जनवरी 2014 में बतौर प्रधानमंत्री अपनी आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया के उन सवालों का जवाब देते हुए, जिनमें कहा गया था कि उनका नेतृत्व कमजोर है और कई अवसरों पर वे निर्णायक नहीं रहे, कहा था कि मैं यह नहीं मानता कि मैं एक कमजोर प्रधानमंत्री रहा हूं बल्कि मैं ईमानदारी से यह मानता हूं कि इतिहास मेरे प्रति समकालीन मीडिया या संसद में विपक्ष की तुलना में ज्यादा उदार होगा, राजनीतिक मजबूरियों के बीच मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। उन्होंने कहा था कि परिस्थितियों के अनुसार मैं जितना कर सकता था, उतना किया। यह इतिहास को तय करना है कि मैंने क्या किया है या क्या नहीं किया है। उनका कहना था कि मुझे उम्मीद है कि मीडिया की तुलना में इतिहास मेरा मूल्यांकन करते समय ज्यादा उदार होगा।

26 सितंबर 1932 को पंजाब (अब पाकिस्तान में) के गांव गाह में जन्मे मनमोहन सिंह का परिवार विभाजन के समय भारत आ गया था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में हुई थी, जिसके बाद उच्च शिक्षा के लिए वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए, जहां उन्होंने अर्थशास्त्र में ट्रिपोस किया और फिर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी.फिल की उपाधि प्राप्त की। उनकी उच्च शिक्षा ने उन्हें न केवल एक उत्कृष्ट अर्थशास्त्री बनाया बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य और आर्थिक सोच की गहराई भी प्रदान की। अपने कैरियर की शुरुआत उन्होंने भारतीय सिविल सेवा से की और बाद में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और भारतीय रिजर्व बैंक जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में भी कार्य किया। वे 1982 से 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे और उस दौरान उन्होंने वित्तीय स्थिरता बनाए रखने तथा मुद्रा प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत के आर्थिक इतिहास में 1991 का वर्ष एक निर्णायक मोड़ था क्योंकि उस समय देश गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा था। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने डा. मनमोहन सिंह को वित्तमंत्री नियुक्त किया। वित्तमंत्री के रूप में उन्होंने साहसिक आर्थिक सुधारों का नेतृत्व किया, जिनमें उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण प्रमुख थे। बहरहाल, राजनीति में डा. मनमोहन सिंह जैसे विद्वान बहुत ही कम देखने को मिलते हैं। उनकी सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों के बावजूद उनकी व्यक्तिगत ईमानदारी हमेशा संदेह से परे रही। वह एक ऐसा राजनेता थे, जिन्हें राजनीतिक सीमाओं से परे सम्मान प्राप्त था। कुल मिलाकर, तमाम आलोचनाओं के बावजूद डा. मनमोहन सिंह एक ऐसे नेता के रूप में याद किए जाएंगे, जिन्होंने भारत को वैश्विक मंच पर सम्मानजनक स्थान दिलाया और भारत को आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से एक मजबूत राष्ट्र बनाने में अहम योगदान दिया।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

इतिहास के पन्नों से जीवंत होती हिन्दू धर्म की विरासत

पश्चिमी उत्तर प्रदेश का संभल जिला आजकल लाइमलाइट में हैं। देश-विदेश सभी जगह संभल की चर्चा चल रही है। ऐसा लग रहा है कि पूरा संभल ही ऐतिहासिक धरोहर पर बैठा हो और जिसे मुगल काल में बेरहमी से 'कुचला' गया हो। दरअसल, आज का मुस्लिम बाहुल्य संभल हमेशा ऐसा नहीं था। पिछले कुछ दशकों में यहां हिन्दुओं की जनसख्या काफी तेजी से कम हुई है। इसके पीछे की मुख्य वजह यहां दंगों का इतिहास रहा है,जिसमें सैकड़ों हिन्दुओं को समय-समय पर जान से हाथ धोना पड़ चुका था,लेकिन किसी सरकार ने इसकी सुध नहीं ली, परिणाम स्वरूप यहां से बड़ी संख्या में भयभीत हिन्दुओं ने पलायन कर लिया। फिर भी संभल हिन्दुओं के लिये हमेशा से धार्मिक महत्व रखता है। यह विष्णु के दसवें और अंतिम अवतार कल्कि का कथित जन्म स्थान है। हिंदू शास्त्रों के अनुसार,कल्कि कलयुग (अंधकार का युग) को समाप्त करने के लिए संभल में प्रकट होने वाले हैं। वर्ष 2024 की शुरुआत में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां भव्य कल्कि धाम का शिलान्यास और 'राम राष्ट्र' का आह्वान किया था। दावा यह किया गया था कि कल्कि का अवतार हजारों वर्षों के भविष्य का निर्धारण करेगा।

खैर, साल के शुरू में भगवान विष्णु के आखिरी अवतार कल्कि महाराज के संभल में प्रकट होने की बात कही जा रही थी तो साल का अंत आते-आते कुछ हिन्दू पक्षकारों द्वारा दावा किया जाने लगा कि संभल की जामा मस्जिद भगवान कल्कि को समर्पित एक मंदिर के खंडहरों पर बनाई गई थी। मामला स्थानीय अदालत में पहुंचा और याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया गया है कि 1526-27 में बाबर के आक्रमण के दौरान मंदिर को नष्ट करने के बाद मस्जिद का निर्माण किया गया था। सबूत के तौर पर कहा गया कि बाबरनामा और अकबरनामा जैसे ऐतिहासिक ग्रंथ बाबर की ओर से मंदिर के विनाश का दस्तावेजीकरण करते हैं। कोर्ट ने इस पर सर्वे का आदेश दे दिया,जिसकी परिणीति 24 नवंबर 2024 को संभल में हुये दंगे के रूप में हुई। क्योंकि जामा मस्जिद के पैरोकार यह बात मानने को तैयार नहीं थे कि उनकी मस्जिद किसी मंदिर के ऊपर बनाई गई है। इसी लिये सर्वे टीम जब 24 तारीख को सर्वे करने के लिये जामा मस्जिद पहुंचे तो शहर में पुलिस और मुस्लिम आमने-सामने आ गये जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। इसके बाद किसी तरह से मामला शांत किया गया।

जामा मस्जिद बनाम कल्कि मंदिर का विवाद थमा भी नहीं था कि कुछ दिनों बाद यहां अतिक्रमण हटाये जाने के दौरान मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में प्राचीन मंदिर मिलने के बाद एक बार फिर संभल देशभर में सुर्खियों में आ गया। दरअसल, जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद प्रशासन की टीम इलाके में बिजली और अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चला रही थी। इसी अभियान के दौरान 14 दिसंबर को खग्गू सराय इलाके में प्रशासन को एक प्राचीन मंदिर मिला, जो करीब 50 सालों से बंद पड़ा था। यह कार्तिकेश्वर महादेव का मंदिर था। मंदिर में शिवलिंग के अलावा हनुमान की मूर्ति थी। इसी मंदिर से तकरीबन 200 मीटर दूर सपा के सांसद जिया उर रहमान बर्क का घर है। बाद में कार्तिकेश्वर महादेव मंदिर के पास कुआं मिला। कुएं की खुदाई में कुछ देवी-देवताओं की मूर्तियां मिली। इसी मंदिर से 50 मीटर पर दूरी पर दूसरा कुआं मिला, जो मस्जिद के सामने मौजूद था। इसके बाद 17 दिसंबर को संभल के सरायतरीन इलाके में राधा कृष्ण मंदिर मिला। मंदिर के प्रांगण में ही कुआं निकला। मंदिर के अंदर राधा कृष्ण के अलावा हनुमान की मूर्ति थी। बाद में इसकी साफ सफाई कराई गई। फिर 21 दिसंबर को संभल के चंदौसी तहसील इलाके के लक्ष्मण गंज में खंडहरनुमा प्राचीन बांके बिहारी मंदिर मिला। कहा जा रहा है कि 25 साल पहले इस इलाके में हिंदू बड़ी तादाद में रहा करते थे, लेकिन कुछ समय बाद यहां मुसलमानों की संख्या बढ़ी और हिंदुओं की आबादी कम होने के चलते धीरे-धीरे उनके यहां से पलायन शुरू हो गया। ये भी बताया जा रहा है कि इस मंदिर में 2010 तक पूजा अर्चना होती थी, लेकिन 2010 में कथित रूप से शरारती तत्वों ने मंदिर में विराजमान भगवान बांके बिहारी की प्रतिमा और शिवलिंग समेत अन्य मूर्ति को खंडित कर दिया था।

संभल के इतिहास में 22 दिसंबर फिर खास बनकर आया क्योंकि अबकि से संभल की तहसील चंदौसी के लक्ष्मण गंज में एक पुरानी बावड़ी मिली थी। बताया जाता है कि ये बावड़ी तकरीबन 150 साल पुरानी है।इसका दायरा करीब 400 वर्ग मीट है। बांके बिहारी मंदिर से तकरीबन 150 मीटर दूर यह बावड़ी मिली है। स्थानीय लोगों का दावा है कि ये 1857 की बावड़ी है। स्थानीय लोग कहते हैं कि हिंदुओं का पलायन होने के बाद से उस जगह को माफियाओं ने कब्जा लिया था। इतिहास यहीं तक नहीं था। 26 दिसंबर को संभल के खग्गू सराय इलाके में शाही जामा मस्जिद से तकरीबन 200 मीटर दूर एक मृत्यु कूप मिला है। संभल नगर निगम के वार्ड मेंबर के मुताबिक, ये कूप संभल के 19 कूपों में से एक है। ये कूप पिछले कई सालों से बंद हो गया। आसपास के जो घर बने हैं, उसका मालवा यहां डाल दिया गया था। अब नगर निगम इस कूप की खुदाई करवा रहा है, ताकि इस प्राचीन कूप को एक बार फिर से जीवंत किया जा सके।

सुशांत अमन

विचार विमर्श की प्रक्रिया विपक्ष की वजह से लंबी खींची रही

संसद का शीतकालीन सत्र एक महीने चला और चार हफ्ते की कार्यवाही के दौरान कोई विधायी कार्य संपूर्ण नहीं हुआ। सरकार ने चार विधेयक जरूर प्रस्तुत किए परंतु एक भी विधेयक दोनों सदनों से स्वीकार होकर कानून बनने के लिए राष्ट्रपति के पास नहीं भेजा गया। विपक्षी पार्टियों ने हर किस्म की नकारात्मकता दिखाई। एक अनावश्यक मुद्दे पर संसद को ठप्प किया। उसके बाद उप राष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया।देश के नागरिकों ने क्या विपक्ष का चुनाव उसी काम के लिए किया है, जो विपक्षी पार्टियों ने संसद के शीतकालीन सत्र में किया है? यह यक्ष प्रश्न है और इसका जवाब निश्चित रूप से विपक्षी पार्टियों के देना चाहिए। संसदीय लोकतंत्र की यह सुंदरता है कि इसमें मतदाता सिर्फ सरकार नहीं चुनते हैं, बल्कि विपक्ष भी चुनते हैं। उन्होंने तीन चुनाव में पहली बार कांग्रेस को मुख्य विपक्षी दल के तौर पर चुना है। इससे पहले दो चुनावों में देश के मतदाताओं ने कांग्रेस को मुख्य विपक्षी पार्टी बनने लायक जनादेश भी नहीं दिया था। परंतु इस बार उसे मुख्य विपक्षी पार्टी का जनादेश मिला तो क्या वह इसलिए मिला कि श्री राहुल गांधी आधिकारिक रूप से नेता प्रतिपक्ष बनें और अपने 99 सांसदों के दम पर संसद को ठप्प कर दें या संसद के सत्र में अनावश्यक मुद्दे उठाएं और कामकाज बाधित करें या संसदीय परंपराओं को खंडित करें और एक सांसद ने नाते मर्यादा की गिरावट की नई मिसाल बनाएं?मतदाताओं ने सरकार का बहुमत कम किया और विपक्ष की शक्ति बढ़ाई तो उसका उद्देश्य सरकार को पहले से ज्यादा जवाबदेह बनाने के साथ साथ विपक्ष को भी रचनात्मक भूमिका देने का था। परंतु ऐसा लग रहा है कि विपक्ष ने जनादेश की गलत व्याख्या कर ली। उसको लग रहा है कि जनता ने उसे सरकार को कामकाज नहीं करने देने के लिए पहले से ज्यादा शक्तिशाली बनाया है।संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्षी पार्टियों ने इसी धारणा के साथ काम किया। पहले दिन से विपक्षी सांसदों ने अनावश्यक मुद्दे उठाए और कामकाज नहीं चलने दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सत्र के पहले दिन, 25 नवंबर को विपक्षी पार्टियों से आह्वान किया था कि संसद के सुचारू संचालन में सहयोग करें। संसदीय कार्यमंत्री श्री किरेन रिजीजू ने कहा था कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। परंतु पहले दिन से ऐसा लगा कि मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने संकल्प किया हुआ है कि कार्यवाही नहीं चलने देनी है। उसने पहले दिन से अडानी समूह का मुद्दा उठाया। यह सही है कि अमेरिका की एक अदालत में अडानी समूह से जुड़े आठ लोगों के खिलाफ गंभीर आरोप लगे हैं। परंतु क्या कांग्रेस पार्टी खासतौर से श्री मल्लिकार्जुन खडगे और श्री राहुल गांधी कभी यह सोचते हैं कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले इस तरह के मुद्दे कहां से और क्यों आ जाते हैं? पूरे वर्ष में संसद के सिर्फ तीन सत्र होते हैं। अधिकतम चार महीने संसद की कार्यवाही चलती है। परंतु हर बार उससे पहले कोई न कोई विदेशी मीडिया या रिसर्च संस्थान या कोई गैर सरकारी संगठन भारत को लेकर कथित खुलासा कर देता है और उसके बाद विपक्षी पार्टियां उसके आधार पर हंगामा करके संसद नहीं चलने देती हैं। विपक्ष को निश्चित रूप से यह सोचना चाहिए कि हर बार सत्र से पहले क्यों हिंडनबर्ग या पेगासस या ओसीसीआरपी या मीडियापार्ट की खबरें आती हैं? और उसके आधार पर संसद नहीं चलने या पक्ष और विपक्ष में टकराव बढने से किसका फायदा होता है और किसको नुकसान होता है?संसद का शीतकालीन सत्र एक महीने चला और चार हफ्ते की कार्यवाही के दौरान कोई विधायी कार्य संपूर्ण नहीं हुआ। सरकार ने चार विधेयक जरूर प्रस्तुत किए परंतु एक भी विधेयक दोनों सदनों से स्वीकार होकर कानून बनने के लिए राष्टपति के पास नहीं भेजा गया। विपक्षी पार्टियों ने हर किस्म की नकारात्मकता दिखाई। एक अनावश्यक मुद्दे पर संसद को ठप्प किया। उसके बाद उप राष्टपति व राज्यसभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। यह पहली बार हुआ कि विपक्ष ने लगातार दो सत्रों में सभापति के खिलाफ इस तरह से अविश्वास प्रस्ताव का प्रयास किया। हालांकि सत्र के अंतिम दिन उप सभापति श्री हरिवंश ने विपक्ष को नोटिस को नामंजूर कर दिया।

एस. सुनील

शब्दों के सम्यक् प्रयोग का विवेचन करती पुस्तक

घटती-घटना
प्रमोद दीक्षित मलय
नई दिल्ली

शब्द केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, अपितु जीवन के संगीत और रचनात्मकता के राग का प्रतीक भी होते हैं। अर्थ की धरोहर लिए हुए ये शब्द न केवल लोक-चेतना को परिष्कृत करते हैं, बल्कि उसे परिमार्जित भी करते हैं। हम जानते हैं कि परस्पर पर्याय होने के बावजूद शब्दों के अर्थ में सूक्ष्म भिन्नताएँ होती हैं। यह भिन्नता, किसी शब्द के पद या वाक्य में सम्यक् प्रयोग से पाठक के मन-मस्तिष्क में एक सजीव चित्र की भांति अर्थ का अंकन करती है। जहाँ उपयुक्त शब्द-प्रयोग रचना की गुणवत्ता को सरसता और प्रवाह के साथ पाठकों तक पहुँचाता है, वहीं अनुचित एवं अनुपयुक्त शब्द-प्रयोग न केवल अर्थ के प्रकटीकरण में बाधा डालता है, बल्कि कई बार हास्यास्पद स्थितियाँ भी उत्पन्न कर देता है।

लेखन में शब्दों के शुद्ध, सार्थक और उपयुक्त प्रयोग की आवश्यकता पर बल देती पुस्तक 'शब्द-संधान' इन दिनों साहित्य प्रेमियों और शब्द साधकों के बीच चर्चा का केंद्र बनी हुई है। यह कृति न केवल विद्वज्जनों, साहित्यिक मनीषियों, विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए उपयोगी है, अपितु सामान्यजन के लिए भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। विशेष रूप से यह पुस्तक उन व्यक्तियों के लिए अपरिहार्य है, जिनका कार्य संवाद और संप्रेषण से जुड़ा है, जैसे मीडिया कर्मी, राजनेता, वकील, रंगमंचीय कलाकार, उपदेशक, संत इत्यादि।

'शब्द-संधान' केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि सार्थक अभिव्यक्ति और शुद्ध संप्रेषण की दिशा में एक मार्गदर्शिका है। पुस्तक की विषयवस्तु तीन खंडों में विभाजित है। खंड (क) शब्द-संधान, खंड (ख) शब्द-संधान के सूत्र तथा खंड (ग) शब्द-संकलन। प्रथम खंड में शब्दों के उचित प्रयोग पर 100 अध्यायों में विस्तृत विवेचन मिलता है। प्रत्येक अध्याय में समानार्थी, समानोच्चारित तथा लेखन एवं बोलचाल में सामान्यतः व्यवहृत ऐसे शब्दों को लिया गया है, जिनके प्रयोग में प्रायः त्रुटि होती है, जैसेङ्क अनुदित और अनूदित, शैक्षिक और शैक्षणिक, सपत्नीक और सपत्नी; नृत्त और नृत्य, बुद्धि, मेधा, प्रज्ञा और प्रतिभा, पुरुष और परुष; कठिन और कठोर, स्वागतम् और सुस्वागतम् , अनभिज्ञ, अभिज्ञ, अज्ञ, विज्ञ और ज्ञ, खोज, गवेषणा, शोध, आविष्कार और अनुसंधान, जयंती और जन्मोत्सव, सृजन और सर्जन का पेंच, कृति, कृत्ति और कृती, कोटि, श्रेणी और वर्ग, अनशन, उपवास, व्रत और भूख हड़ताल इत्यादि। इन सौ अध्यायों में सम्मिलित और विवेचित शब्द पाठक के सम्मुख उनकी पूरी अर्थवत्ता के साथ उपस्थित होते हैं, जिससे अर्थ एवं प्रयोग की दृष्टि से महीन अंतर भी सुस्पष्ट हो जाता है।

अनुभूत सत्य है कि न केवल लोकजीवन के परस्पर मौखिक संवाद में अथवा वार्ता के क्रम में, अपितु लेखन में भी साहित्यिकों द्वारा बहुधा त्रुटिपूर्ण शब्द व्यवहृत होते हैं, जिसके कारण व्यक्त भाव अनर्थकारी हो जाते हैं। उदाहरण के लिए अर्थी और अरथी समानोच्चारित होने के बावजूद अर्थ में बड़ा अंतर रखते हैं। असावधानी या अज्ञानवश इनका अनुचित प्रयोग अर्थसिद्धि में समर्थ नहीं हो सकता, यह समझना चाहिए। विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि पाठक इन सौ अध्यायों से गुजरते हुए शब्द-सम्पदा अर्जित करता चलता है और भाषा-संवर्धन के प्रति उसका अनुराग भी बढ़ता जाता है। लेखक का मत है सटीक अथवा समुपयुक्त शब्द-प्रयोग से ही किसी भाषा का प्राण-तत्व अक्षुण्ण रहता है। निश्चित ही, शब्दों के साधु और सुसंगत सम्यक् प्रयोग एवं व्यवहार से ही भाषा की सम्प्रेषणीयता प्रभावी होती है और वह लालित्यपूर्ण एवं सहज प्रवाहमयी बनती है।

द्वितीय खंड (ख) के अंतर्गत आठ अध्याय जहाँ अपनी शब्द-सुवास से पाठकों के मन-मस्तिष्क को सुरभित करते हैं, वहीं बुद्धि के कपाट खोल अचम्भित भी करते हैं कि कैसे कुछ शब्द अपने सन्निहित अर्थ के विपर्यय अर्थ में प्रयुक्त हो, हास्यास्पद स्थिति उत्पन्न कर देते हैं।

उदाहरण के लिए, कृष्णा और सूर्या को ही लीजिए। बच्चों को बड़ों द्वारा लाड़-दुलार से पुकारे जाने वाले ये दोनों शब्द प्रायः हमारे पड़ोस में मिल जाते हैं। अभिभावकों को नहीं ज्ञात होता कि कृष्णा का अर्थ द्रौपदी है, कृष्ण नहीं। इसी तरह सूर्या, सूरज नहीं है; बल्कि उनकी पत्नी का नाम है। उपरोक्त तो अपने शुद्ध रूप 'उपर्युक्त' को बहुत पीछे धकेल लगभग हर शासकीय-विभागीय आदेश-पत्रों में महिमा मंडित हो रहा है। ऐसे ही पत्रों और रपटों में उल्लिखित 'दिनाँक' मानो भाषाविदों को चिढ़ा रहा हो, जिसे दिनांक होना चाहिए था। साम्यता, औदार्यता, सौंदर्यता, स्तनपान, गोकशी, समंदर, स्वादिष्ट, नवरात्रि, अभ्यारण्य, अंतर्ध्यान आदिक अशुद्ध शब्द जन-मानस में भाषिक सजगता की अपेक्षा करते हैं। इन आठ अध्यायों में लोकजीवन में कुछ बहु प्रचलित शब्दों तथा देशज-विदेशज शब्दों के निर्माण की वार्तनिक यात्रा अंकित है। अंतिम खंड (ग) में पर्यायवाची, विलोम तथा श्रुति-सम भिन्नार्थक शब्दों की विस्तृत सूची दी गई है जिसमें क से त्र वर्ण तक के 351 शब्दों के पर्यायवाची शब्द, 600 विलोम शब्द तथा 460 श्रुति-सम भिन्नार्थक शब्दों की सूचिका पाठकों के लिए शब्दों के अर्थ का विस्तृत फलक प्रदान करती हैं।

पुस्तक 'शब्द-संधान' पढ़ते हुए लगता है कि जैसे कोई शिक्षक अपने स्नेहपात्र विद्यार्थियों के सम्मुख शब्द-रचना के सूत्रों को चित्र-पट पर प्रकाशित कर रहा हो। मेरे पास हिंदी व्याकरण एवं शब्दकोश की एक दर्जन पुस्तकें होंगी; पर भाषाविद् एवं वैयाकरण कमलेश कमल की कृति 'शब्द-संधान' अपनी शोधपरक अंतस्सामग्री, सम्यक् शब्द विवेचन एवं अर्थ-स्पष्टता तथा रुचिपूर्ण शैली के कारण मुझे अत्यंत महत्त्वपूर्ण लगती है। यह शब्दों के शुद्ध-अशुद्ध उलझाव का संजाल ऐसे काट देती है, जैसे घने बादल को प्रकाश की किरण। भाषिक-जटिलता का व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करती अनुपम कृति 'शब्द-संधान' विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं सामान्य पाठकों के लिए तो बहूपयोगी है ही, साथ ही लेखकों-संपादकों के लिए भी अत्यावश्यक और मार्गदर्शक है। मुझे विश्वास है, 'शब्द संधान' अपने ध्येय में सिद्ध हो शब्दानुशासन के नवल पथ की सर्जना कर भाषा संरक्षण एवं सम्वर्द्धन का रुचिर रसमय परिवेश रचेगी। आकर्षक कवर के साथ प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली द्वारा दिसम्बर 2024 में प्रकाशित 'शब्द संधान' प्रकाशन के पूर्व ही ऑनलाइन प्लेटफार्म पर शीर्ष पुस्तकों में शुमार हो गई थी। नेचुरल शेड पीले कागज के 304 पृष्ठों में बिखरी शब्द-संपदा प्रत्येक परिवार में होनी चाहिए ताकि हिंदी भाषा के परिष्कार एवं समृद्धि की वेगवती धारा सतत प्रवाहमयी रहे।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

भूमि पर कब्जा दिलाने का काम करने हरियाणा से आए थे 5 आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बमलाया के पास से दो बदमाशों ने पिस्टल सटाकर एक युवक से बाइक लूटी थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने लगभग 200 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 5 आरोपियो को घटना में शामिल होने की जानकारी पुलिस को मिली। मामले में 5 आरोपियों को जब गिरफ्तार किया तो पुलिस दंग रह गई। ये सभी हरियाणा से आकर लठैत का काम करने वाले थे। जमीन पर कब्जा दिलाने सहित अन्य बाहुबल का काम करने वाले थे। ये इस काम के लिए हरियाणा से 1 लाख रुपए किराए पर स्कॉर्पियो ले रखा था। लेकिन स्कॉर्पियो का नंबर प्लेट हरियाणा के होने के कारण इन्हें अंबिकापुर शहर व आस पास के क्षेत्रों में चलने में परेशानी हो रही थी। इस लिए बदमाशों ने बाइक लूट की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

शनिवार को मामले का खुलासा करते हुए एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो ने बताया कि साहाबु यूपी का रहने वाला है। वह सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम डुमरभावना में नल जल योजना के ठेकेदार मनीष अग्रवाल के ठेकेदारी में मुंशी का काम करता है। वह 15 दिसंबर को ठेकेदार की बाइक सीजी 15 डीटी 5381 लेकर ठेकेदारी के काम से सीतापुर गया था। वहां से वह वापस साइड पर ग्राम डुमरभावना जा रहा था। तभी बमलाया के पास दो अज्ञात व्यक्ति इससे लिफ्ट मांगे, वह बाइक को जैसी ही रोका एक व्यक्ति कनपीट व दूसरा पेट में कट्टा सटाकर बाइक को लूटकर अंबिकापुर की ओर फरार हो गए। साहाबू ने मामले की रिपोर्ट सीतापुर थाना में दर्ज कराई थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने पहले घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राम बमलाया से अंबिकापुर की ओर रास्ते में लगे लगभग 200 से अधिक सीसीटीवी फुटेज को पुलिस ने खंगाला। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस को जानकारी लगी की घटना में एक काले रंग की स्कार्पियो एवं अन्य आरोपियों के मामले में शामिल होने की जानकारी लगी। आरोपियों ने अंबिकापुर में जिस रास्ते का उपयोग किया था पुलिस उसकी पहचान कर मुखबिर तैनात की थी। मुखबिर से पुलिस को जानकारी मिली की सभी आरोपी गांधीनगर थाना क्षेत्र के सुभाषनगर में किराए के मकान में रह रहे हैं। मुखबिर की सूचन पर पुलिस ने किराए के मकान से आरोपी अमित कुमार पिता करमवीर उम्र 35 वर्ष निवासी रोहतक वार्ड क्रमांक 10

जिला रोहतक हरीयाणा, अजमेर खान पिता अजीत उम्र 24 निवासी धामर थाना-सदर जिला-रोहतक हरियाणा, विजय लोहार उर्फ शिवा पिता सतपाल लोहार उम्र 27 वर्ष निवासी किलोई थाना सदर जिला रोहतक हरीयाणा, अभिषेक सिंधु पिता सदानन्द सिंधु उम्र 30 वर्ष निवासी खेड़ीसाध थाना -आईएमटी जिला रोहतक हरीयाणा व सागर उर्फ पहलवान पिता रमजानी उम्र-22 वर्ष निवासी इसराना पानीपत थाना इसराना जिला- पानीपत हरियाणा को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की तो पुलिस दंग रह गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी विजय लोहार पूर्व में किसी व्यक्ति के माध्यम से भूमि पर कब्जा दिलाने के लिए अंबिकापुर आया था। यहां से वापस जाने के बाद अपने अन्य दोस्तों को बताया कि अंबिकापुर में भूमि पर कब्जा दिलाने का काम किया जा सकता है। यहां के लोग काफी सीधे-साधे हैं। बाहुबल का काम करने सभी हरियाणा से पिस्टल, डंडा व अन्य हथियार लेकर 11 दिसंबर को एक लाख रुपए महीना किराय पर स्कॉर्पियो लेकर अंबिकापुर आए थे और सभाषनगर में किराए के मकान में रह रहे थे। ये सभी बाहुबल से जमीन पर कब्जा दिलाकर रुपए कमाना चाह रहे थे।

इस लिए लूटी बाइक

स्कॉर्पियो में हरियाणा का नंबर प्लेट लगा था। जिस कारण अंबिकापुर व आस पास के क्षेत्रों में घुमने में इन्हें परेशानी हो रही थी। इस लिए 15 दिसंबर को सीतापुर के ग्राम बमलाया के पास से आरोपी अजमेर और अभिषेक सिन्धु बाइक लूटी थी। बाइक लूटने के बाद दोनों आरोपी लुचकी घाट काली मंदिर के पास पहुंचकर बाइक का नंबर प्लेट को तोड़कर फेंक दिया था और बाइक की डिक्की को जला दिया था। 17 दिसंबर को आरोपी विजय के रिश्ते के भाई का देहांत हो गया था। जानकारी होने पर अंतिम संस्कार में शामिल होने सभी वापस चले गए थे। जाने से पूर्व आरोपी अजमेर और अभिषेक ने शाम को बाइक को घुनघुट्टा डेम खर्रापारा सोगहा के पास लूट की बाइक को चाभी सहती छोड़ दिया था। इसके बाद सभी हरियाणा अंतिम संस्कार में शामिल होने चले गए थे। अंतिम संस्कार के बाद सभी पुन- वापस आकर किराए के मकान में रह रहे थे। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने स्कार्पियो, घटना में प्रयुक्त देशी सिक्सर, 6 नग मोबाइल फोन, 7 नग डंडा, 1 नग जिओ फाइबर जब्त किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ धारा बीएनएस की धारा धारा 309(4), 310(2) एवं 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

कार्रवाई में ये रहे शामिल

साइबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक सीपी तिवारी, स्पेशल टीम प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, थाना सीतापुर से सहायक उप निरीक्षक अरुण गुप्ता, कंट्रोल रूम से प्रधान आरक्षक गणेश कदम, आरक्षक मनीष सिंह, सतेंद्र दुबे, संजीव चौबे, राहुल सिंह अशोक यादव, रमेश रजवाड़े विकाश मिश्रा, जितेश साहू, आनंद गुप्ता, वीरेंद्र पैकरा उमेश गुप्ता, जितेंद्र सिंह सक्रिय रहे।

महिला का मलाशय में था कैंसर, ऑपरेशन कर निकला गया बाहर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के चिकित्सकों ने महिला का मलाशय कैंसर का ऑपरेशन कर जान बचाई है। चिकित्सकों ने 5 घंटे का ऑपरेशन कर महिला का मलाशय हटाकर पेट के बाएं साइड में जगह बनाया है। जो अब महिला पूरी जिन्दगी मलाशय के लिए उपयोग करेगी।

सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. एसपी कुजूर ने बताया कि सूरजपुर जिले के भैयाथान थाना क्षेत्र के ग्राम पनेराडांड निवासी 35 वर्षीय सुनीता देवांगन पति विश्वनाथ देवांगन पिछले कई महीनों से पेट दर्द से परेशान थी। पिछले कुछ दिनों से मलाशय से खून आ रहा था। महिला 28 नवंबर को मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचकर सर्जरी विभाग में चेक कराई थी। महिला का सीटी स्कैन कराया गया। जिसमें एब्डोमिनोपेरिनियल रिसक्शन (एपीआर) बीमारी पाया गया। जब महिला का मलाशय का बायोप्सी कराया गया तो मलाशय में कैंसर पाया गया। मलाशय से करीब 4 सीम ऊपर कठान है जो मलाशय को बंद कर रहा था। चिकित्सक डॉ. एसपी कुजूर ने बताया कि महिला का 17 दिसंबर को चिकित्सकों की टीम द्वारा ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन काफी जटील होने के कारण 5 घंटे का समय लगा। ऑपरेशन कर महिला का मलाशय निकाल दिया गया है। वहीं मलाशय के लिए बाएं साइड पेट के बगल से मलाशय के लिए रास्ता निकाला गया है। जो अब महिला आगे की पूरी जिन्दगी मलाशय के लिए उपयोग करेगी। ऑपरेशन के दौरान डॉ. प्रवीण, डॉ. कान्ता व एनिस्थिसिया की टीम शामिल रहे।

नवजात बच्ची को जिंदा किया दफन,रोने की आवाज सुन ग्रामीणों ने निकाला बाहर,अस्पताल में मौत

नवजात को अस्पताल में कराया गया भर्ती, बच्ची पूरी तरह थी स्वस्थ,पुलिस द्वारा जन्म देने वाली महिला की खोजबीन जारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र से मानवता व ममता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। शुक्रवार की शाम खेत में मिट्टी के ढेलों के बीच दफन एक नवजात बच्ची को ग्रामीणों ने जिंदा बाहर निकाल लिया। उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन शनिवार की अलसुबह उसकी मौत हो गई। दरअसल सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पेटला में एक नवजात बच्ची को उसके माता-पिता ने जिंदा दफन कर दिया था। उसे बरामद कर अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे स्वस्थ बताया था, लेकिन उसे एनआईसीयू में भर्ती कर इलाज किया जा रहा था। इसी बीच शनिवार की अलसुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा उसके माता-पिता की खोजबीन की जा रही है।

सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पेटला में कुछ ग्रामीणों ने एक बच्चे के रोने की आवाज सुनी। आवाज सुनकर ग्रामीण पहुंचे तो देखा कि बच्चे को मिट्टी में दफन किया गया था। इसके बाद उन्होंने तत्काल उसे बाहर निकाला तो देखा कि नवजात बच्ची थी। फिर उन्होंने इसकी सूचना मितानिन को दी। उपसरपंच व मितानिन द्वारा उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया।

यहां नर्सों द्वारा नाभी नाल काटकर उसकी साफ-सफाई की गई और उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर ले जाया गया। यहां बालिका को एनआईसीयू में भर्ती किया गया था। इसी बीच शनिवार की सुबह उसकी मौत हो गई।

गोद लेने की थी तैयारी लावारिस बालिका स्वस्थ थी, लेकिन अचानक उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। अस्पताल की ही एक नर्स द्वारा उसे गोद लेने की तैयारी थी, लेकिन उसके भी अरमान धरे के धरे रह गए। अब पुलिस उस महिला की तलाश में जुट गई है, जिसने बालिका को जन्म दिया था तथा उसे मरने के लिए मिट्टी के ढेलों के बीच ढंक दिया था।

राष्ट्रीय नेटबॉल प्रतियोगिता के लिए सिमरन का चयन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सब जुनियर नेटबॉल बालिका टीम में सिमरन भगत का चयन हुआ है। जो राष्ट्रीय प्रतियोगिता चेन्नई, तमिलनाडु में भाग लेगी। सिमरन भगत छत्तीसगढ़ टीम के साथ 30वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर नेटबाल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता 2024-25 चेन्नई, तमिलनाडु 28 से 31 दिसंबर तक भाग लेगी। चयनित सिमरन भगत पिता- संतोष कुजूर, माता - सुनीता भगत, जो स्थानीय माउंट लिट्रा जी स्कूल के 9वी की छात्रा है। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि सरगुजा जिला में नेटबाल खेल का संचालन गांधी स्टेडियम में ही किया जाता है, यह खेल बास्केटबाल खेल से मिलता जुलता है। अभी हाल ही में में नेटबाल जुनियर राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता लुधियाना, पंजाब में सरगुजा जिला के ओम प्रकाश सिल्वर मेडल जीतकर सरगुजा जिला मान बढ़ाया था।

कोरबा में सडक़ हादसे में अंबिकापुर के दो युवकों की मौत,वाहनों में लगी आग

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कोरबा जिले में कटघोरा-अंबिकापुर नेशनल हाइवे मार्ग पर आज दोपहर लमना-चोटिया के मध्य एक दर्दनाक हादसा हो गया।

मार्ग में बने ब्रेकर से गुजरते वक्त अंबिकापुर से कटघोरा की ओर आ रही एक कार को कटघोरा से अंबिकापुर की ओर जा रहे लोडेड ट्रक ने चपेट में ले लिया। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ट्रक, कार के ऊपर चढ़ गई और उसे घसीटते हुए काफी दूर तक ले जाने के बाद सडक़ से उतरकर झाड़ियों के बीच जाकर थमी और इसके बाद कार के ऊपर ट्रक पलट गया। अंबिकापुर के भट्ठी रोड गणेश दादा गली निवासी निवासी शिवम सिंह पिता स्व. ईश्वर सिंह 25 वर्ष अपने दोस्त गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम चठिरमा निवासी विकास भगत के साथ कार क्रमांक सीजी 15 डीयू 2747 से शनिवार की दोपहर बिलासपुर जाने निकला था। विकास भगत का चठिरमा में पेट्रोल पंप है। दोनों दोपहर करीब 3.30 बजे अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाइवे पर कोरबा थाना क्षेत्र के चोटिया को पार हुए थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सडक़ से उतरकर खेत में गिर गई और उसमें आग लग गई।

इसी बीच ट्रक भी कार के ऊपर जा चढ़ा। इससे ट्रक भी जलने लगा। हादसे में शिवम सिंह समेत दोनों युवकों की जलकर मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की सूचना पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिर कार के भीतर से दोनों युवकों का शव बाहर निकाला गया। शवों को पीएम के लिए अस्पताल में रखवाया गया है। हादसे में दोनों युवकों की मौत से उनके परिजनों में मातम पसर गया है।

श्री राम के थैलों का किया गया विमोचन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

सनातन संस्कृति समिति एवं अग्रवाल महिला सम्मेलन द्वारा स्थानीय शिवाजी चौक में प्रभु श्री राम के थैलों का विमोचन एवं वितरण किया गया। आयोजन में समिति की रंजू अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, ममता, सीमा, सुनीता, अंजू, प्रेमलता, सरला, उमा, लेखराज अग्रवाल, संजय अग्रवाल, निलेश सिंह, संजय बोडा, विकास वर्मा, निर्मल पांडेय, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज कंसारी, निरंजन राय, विकास देव ठाकुर,देव वर्मा,मनोज सिन्हा,सतीश शर्मा सहित कई वरिष्ठजन सम्मिलित रहे।

CMYK

तालिबान का काउंटर अटैक,पाकिस्तान की दो चौकियों पर कब्जा

» पाकिस्तान की दो चौकियों को किया गया नष्टः तालिबान

» अफगानिस्तान ने डूरंड रेखा सीमा को खारिज कर दिया है

काबूल, 28 दिसम्बर 2024। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति बन रही है। पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान पर लगातार एयर स्ट्राइक हो रही है, जिसकी वजह से दोनों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है।

इसी बीच तालिबान के 15 हजार लड़ाके पाकिस्तान की ओर बढ़ रहे हैं। तालिबान के लड़ाकों से निपटने के लिए पाकिस्तान की सेना और वायुसेना ने पेशावर और क्वेटा में सेना तैनात कर दिया है।

सीमा पर डटे हैं तालिबान के लड़ाके और पाकिस्तान की सेना

पाकिस्तानी सेना की कुछ टुकड़ियां अफगान सीमा पर पहुंच गई है। दूसरी ओर अफगान के तालिबान लड़ाके मीर अली सीमा पर पहुंच चुके हैं।

शनिवार को अफगानिस्तान की तालिबान सेना ने पाकिस्तान सीमा के नजदीक गोलीबारी की। वहीं, जानकारी सामने आई है कि तालिबान के लड़ाकों ने पाकिस्तान दो चौकियों को तबाह कर दिया है। वहीं, कई सैनिकों के मारे जाने की खबर सामने आई है।

दोनों देश क्यों आए आमने-सामने

अल जजीरा के अनुसार, अफगानिस्तान ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच की सीमा डूरंड रेखा को खारिज कर दिया है, जो 19वीं सदी में अंग्रेजों द्वारा खींची गई थी। तालिबान इसे सीमा के दोनों ओर पश्तूनों के बीच विभाजनकारी रेखा के रूप में देखता है। हालांकि, तालिबान के प्रवक्ता इनायतुल्ला खोवाराजमी ने कहा, ÷हम इसे पाकिस्तान का क्षेत्र नहीं मानते हैं। खोस्त और पख्तिया प्रांतों से लगी सीमा पर आज सुबह से झड़प चल रही है।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान के साथ एक जटिल इतिहास रहा है। अफगानिस्तान में तालिबान को स्थापित करने में पाकिस्तान ने बड़ी भूमिका निभाई थी। हालांकि,अब तालिबान पाकिस्तान को ही आंख दिखा रहा है।

अजरबैजान विमान मामलाः

राष्ट्रपति पुतिन ने माफी मांगी, कहा- यूक्रेनी ड्रोन को विफल करने का कर रहे थे प्रयास

मॉस्को, 28 दिसम्बर 2024। रूस ने शनिवार को माना कि उसके वायु रक्षा बलों ने यूक्रेन के ड्रोन हमलों को विफल करने के प्रयास में अजरबैजान एयरलाइंस के विमान को मार गिराया। क्रेमलिन ने कहा कि विमान रूस के ग्रोज्नी हवाई अड्डे पर उतरने का प्रयास कर रहा था, तभी रूस के कई क्षेत्रों में यूक्रेनी ड्रोन हमले हो रहे थे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस हादसे को लेकर माफी मांगी है।

विमान हादसे में गई 38 लोगों की जान

कजाखस्तान के अक्तौ में बुधवार की दोपहर करीब 12.30 बजे अजरबैजान एयरलाइंस का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। इसमें 38 लोगों की जान चली गई थी। विमान में चालक दल के पांच सदस्यों सहित 62 लोग सवार थे। यात्री अजरबैजान, रूस, कजाखस्तान और किरगिस्तान के नागरिक थे। विमान अजरबैजान की राजधानी बाकू से उड़ान भरने के बाद रूस के दक्षिणी क्षेत्र ग्रोज्नी की ओर जा रहा था। लेकिन विमान एक धमाके के साथ कजाखस्तान के अक्तौ शहर के पास गिर गया था। क्रेमलिन ने इस बात को कबूल किया है कि रूसी वायु रक्षा बल यूक्रेन के सिलसिलेवार ड्रोन हमलों को विफल करने का प्रयास कर रहे थे, उसी समय विमान रूस के ग्रोज्नी में उतरने का प्रयास कर रहा था।

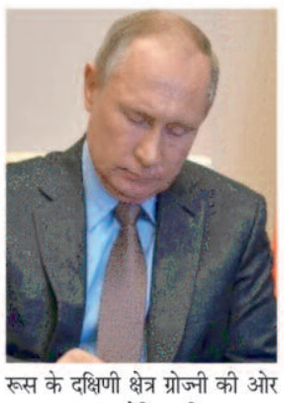

रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने गिराया विमान

क्रेमलिन के बयान में कहा गया, अजरबैजान का यात्री विमान अपनी तय उड़ान पर था और बार-बार ग्रोज्नी हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान ग्रोज्नी, मोजडोक और व्लादिकावकाज पर यूक्रेनी ड्रोन हमले हो रहे थे और रूस की वायु रक्षा प्रणालियों ने इन हमलों को विफल किया।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने माफी मांगी

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने आज अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव को एक पत्र भेजकर इस हादसे के लिए माफी मांगी। क्रेमलिन के बयान के मुताबिक, राष्ट्रपति पुतिन ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए माफी मांगी और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की है। क्रेमलिन के सूत्रों ने बताया कि पुतिन ने अलीयेव से फोन पर भी बात की और इस घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की। यह पहली बार है जब क्रेमलिन ने इस दुर्घटना पर प्रतिक्रिया दी है।

इजरायल ने हूती विद्रोहियों के अटैक को किया नाकाम, पहली बार अमेरिका के THAAD सिस्टम का किया इस्तेमाल

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर 2024। यमन से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को इजरायल ने नाकाम कर दिया। इसके लिए इजरायल ने पहली बार अमेरिकी टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस मिसाइल डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल किया। मिसाइल ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा दागी गई थी।

THAAD सिस्टम को पहली बार इस्तेमाल

टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका द्वारा इजरायल में तैनात [illegible] सिस्टम को पहली बार मिसाइल रोकने के लिए इस्तेमाल किया गया था। सोशल मीडिया पर इसके कई वीडियो भी सामने आए हैं। वीडियो में थाड सिस्टम को इंटरसेप्टर लॉन्च करते हुए दिखाया गया, साथ ही एक अमेरिकी सैनिक की आवाज भी सुनाई दी।

हूती के इरादे किए नाकाम

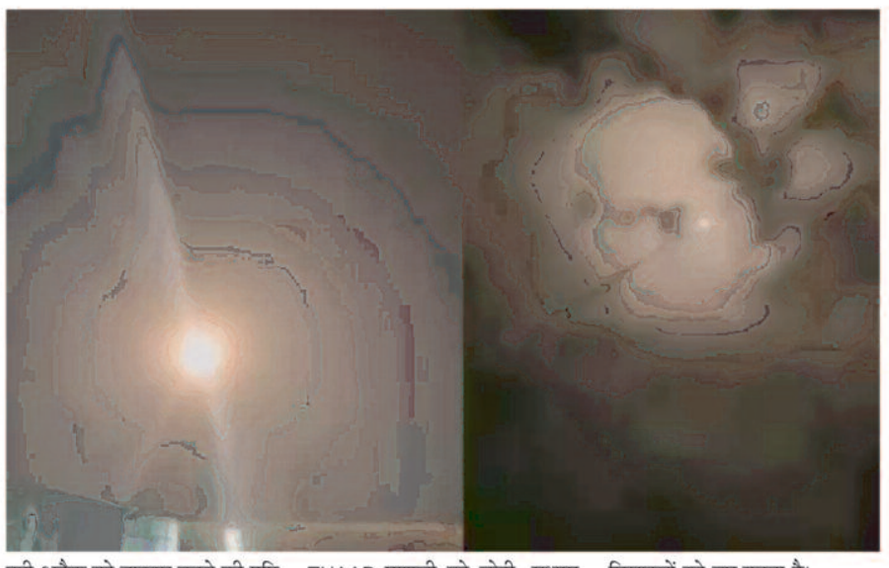

इजरायली रक्षा बल (IDF) ने हूती अटैक को नाकाम करने की पुष्टि करते हुए बताया कि इसके लिए अमेरिकी डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, सुरक्षा स्रोतों ने वाल्ला समाचार साइट को बताया कि THAAD ने मिसाइल को सफलतापूर्वक निशाना बनाया।

अमेरिका द्वारा विकसित THAAD प्रणाली को छोटी, मध्यम और मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है।

पारंपरिक प्रणालियों के विपरीत, THAAD खतरों को बेअसर करने के लिए विस्फोटक वारहेड के बजाय प्रभाव के माध्यम से आने वाली मिसाइलों को नष्ट करता है।

THAAD की बैटरी में छह ट्रक-माउंटेड लॉन्चर शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक में आठ इंटरसेप्टर रखने की क्षमता है।

साथ ही इसमें एक रडार और एक फायर कंट्रोल सिस्टम भी है। सिस्टम का रडार 870 से 3000 किलोमीटर की दूरी से खतरों का पता लगा सकता है।

आठ दिनों में पांच बार हूती ने किया हमला

हूती विद्रोहियों ने केवल आठ दिनों में इजराइल पर पांचवां हमला किया है। ईरान समर्थित समूह ने बेन गुरियन हवाई अड्डे को निशाना बनाने का दावा किया। जवाब में इजरायली युद्धक विमानों ने यमन में हूती ठिकानों पर हमले किए, जिसमें एक पावर प्लांट और सना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुनियादी ढांचा शामिल है।

आईडीएफ के अनुसार, पिछले एक साल में हूती विद्रोहियों ने इजरायल पर 200 से अधिक मिसाइलें और 170 ड्रोन दागे हैं। हालांकि, इनमें से अधिकांश हमलों को रोक दिया गया या वे अपने लक्ष्य से दूर रह गए। हूतियों ने लाल सागर में कई शिपिंग को भी बाधित किया है, 100 से अधिक व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया है और वाहकों को अपना मार्ग बदलने के लिए मजबूर किया है।

अंतरिम सरकार ने पत्रकारों के सचिवालय में प्रवेश पर लगाया प्रतिबंध, रद्द किए मान्यता कार्ड

ढाका, 28 दिसम्बर 2024। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सुरक्षा कारणों से पत्रकारों के सचिवालय में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को एक आदेश जारी कर पत्रकारों के लिए जारी किए गए मान्यता कार्ड को रद्द कर दिया, जिसके बाद अब वे सचिवालय में प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

सेगुनबागीचा क्षेत्र में हैं अधिकांश मंत्रालय

देश के गृह मंत्रालय की ओर से यह आदेश जारी किया गया, जिससे पत्रकारों को सचिवालय में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। बांग्लादेश सचिवालय, सरकार का प्रशासनिक मुख्यालय है, जहां अधिकांश मंत्रालय और सरकारी एजेंसियां हैं। यह ढाका के सेगुनबागीजा क्षेत्र में स्थित है।

गृह मंत्रालय ने जारी किया आदेश

आमतौर पर प्रेस सूचना विभाग (पीआईडी) पत्रकारों को समाचार संकलन के लिए मान्यता कार्ड जारी करता है। लेकि इस बार गृह मंत्रालय ने आदेश जारी कर कहा कि पत्रकारों के लिए जो मान्यता कार्ड जारी किए गए थे, वह तब तक के लिए रद्द कर दिए गए हैं, जब तक सरकार कोई नया आदेश जारी नहीं करती।

अस्थायी प्रवेश कार्ड जारी किए जाएंगे

अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के कार्यालय ने कहा कि हाल ही में एक सरकारी क्षेत्र में आग लगने की घटना के बाद सुरक्षा कारणों से यह फैसला लिया गया है। इसने कहा कि सरकार जल्द ही प्रेस मान्यता कार्ड की समीक्षा करेगी और सभी स्थानीय व अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों से नए आवंदेन आमंत्रित करेगी, ताकि प्रेस सूचना विभाग नए मान्यता कार्ड जारी कर सके।

इस बीच, मंत्रालयों की ओर से कार्यक्रमों के लिए पत्रकारों को अस्थायी दैनिक प्रवेश कार्ड जारी किए जाएंगे।अंतरिम सरकार ने इस असुविधा के लिए खेद जताया है और पत्रकारों से सहयोग की अपील की है।

एलन मस्क पर भड़कीं इंफ्लुएंसर लौरा लूमर, चीन का मोहरा होने का आरोप

ट्रंप की मानी जाती हैं बड़ी समर्थक

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर 2024। दक्षिणपंथी पॉलिटिकल एक्टिविस्ट और डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन में खुलकर बोलने वाली इंफ्लुएंसर लौरा लूमर ने एलन मस्क बड़ा हमला बोला है। उन्होंने अमेरिकी टेक सेक्टर में प्रवासियों की बढ़ती संख्या पर एलन मस्क द्वारा वकालत करने पर आपत्ति जताई है।

लूमन ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर इसे लेकर अपना पक्ष रखा। लूमन ने मस्क पर डोनाल्ड ट्रंप को प्रभावित करने का आरोप लगाया और विवेक रामास्वामी के साथ मस्क के डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिसिएंसी प्रोजेक्ट को वैनिटी प्रोजेक्ट बताया।

चीन का बताया मोहरा

लूमर का गुस्सा यहीं खत्म नहीं हुआ। उन्होंने भविष्यवाणी की कि ट्रंप और मस्क में जल्द ही मतभेद शुरू होंगे। हालांकि एलन मस्क ने लूमर के आरोपों को ट्रोल कहकर खारिज कर दिया। लेकिन लूमर ने हमला करना जारी रखा।

लौरा लूमर ने नस्लवादी और होमोफोबिक अपशब्दों का सहरा लेते हुए कहा कि मस्क चीन के मोहरे हैं। साथ ही उन्होंने [illegible] में जगह खरीदने का आरोप भी लगाया।

सोशल मीडिया पर लिखी बात

लूमर ने एक्स पर लिखा, तुम्हें याद है, जब तुमने बाइडेन को वोट दिया था और कहा था ट्रंप बहुत बूढ़े हैं। सबको पता है कि तुमने डोनेशन इसलिए दिया, जिससे तुम इमीग्रेशन पॉलिसी को प्रभावित कर सको और अपने दोस्त शी चिनफिंग को बचा सको।

लूमर ने आगे लिखा, वह पांचवीं स्टेज का चिपकू है। उसने ट्रंप का साइड पीस बनने के लिए अपनी पूरा ताकत लगा दी। लूमर नस्लभेदी और इस्लामोफोबिक हैं, इसलिए वह इमीग्रेशन पॉलिसी का विरोध कर रही हैं। मस्क पर हमला करते हुए उन्होंने चीन और भारतीय अप्रवासियों के साथ उनके संबंधों का भी जिक्र किया।

भारत का भी किया जिक्र

लौरा लूमर ने कहा, टेक अरबपतियों को सिर्फ मार ए लागो में जाने, चेकबुक दबाने और इमीग्रेशन पॉलिसी को दोबारा लिखने का मौका नहीं मिलता, जिससे उन्हें चीन और भारत से असीमित गुलाम मजदूर मिल सकें। मुझे नस्लभेदी कहे जाने की चिंता नहीं है।

दिलचस्प बात यह है कि गवर्नमेंट इफिसिएंसी प्रोजेक्ट में मस्क के सहयोगी विवेक रामास्वामी को भी कई बार अमेरिकी कल्चर की आलोचना करने के लिए समर्थकों के गुस्से का सामना करना पड़ा है।

बीएनपी ने की यूनुस की आलोचना, मतदान के लिए न्यूनतम आयु सीमा 17 वर्ष करने का दिया था सुझाव

ढाका, 28 दिसम्बर 2024। बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) ने शनिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के उस सुझाव की आलोचना की है, जिसमें उन्होंने मतदान के लिए न्यूनतम आयु सीमा 17 वर्ष करने की बात की थी।

बीएनपी ने कहा कि इससे चुनाव आयोग पर दबाव बढ़ेगा और चुनाव प्रक्रिया में भी देरी हो सकती है।

मुख्य सलाहकार यूनुस ने क्या कहा था?

ढाका ट्रिब्यून अखबार के मुताबिक, यूनुस ने शुक्रवा को मतदान के लिए न्यूनतम आयु सीमा 17 वर्ष करने का सुझा दिया था। यूनुस ने एक चुनावी चर्चा में वीडियो में संदेश में कहा, युवाओं को अपने भविष्य पर अपनी राय देने का अधिकार होना चाहिए। इसलिए मुझे लगता है कि उनके लिए मतदान की न्यूनतम आयु 17 साल की जानी चाहिए।

चुनाव आयोग पर दबाव बढ़ेगाः बीएनपी महासचिव

वहीं, बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने ढाका में प्रेस क्लब में एक चर्चा के दौरान कहा कि यूनुस के इस सुझाव से चुनाव आयोग पर दबाव बढ़ेगा और नए मतदाताओं की सूची तैयार करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा, इससे लोगों में यह चिंता होगी कि चुनाव में और अधिक समय बर्बाद होगा और चुनाव प्रक्रिया में और देरी होगी।

जानबूझकर देरी कर रही अंतरिम सरकार

आलमगीर ने यह भी कहा कि लोगों में यह धारणा बन गई है कि अंतरिम सरकार जानबूझकर चुनाव प्रक्रिया में देरी कर रही है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह उनकी अपनी धारणा नहीं है। उन्होंने कहा, मुख्य सलाहकार को इस मुद्दे को उठाने से पहले सभी पक्षों से परामर्श करना चाहिए था।

चुनाव आयोग पर छोड़ें यह मुद्दाः बीएनपी

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को इस मामले को चुनाव आयोग पर छोड़ देना चाहिए, ताकि आयोग खुद इस पर फैसला ले सके। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु के मानक से सभी लोग सहमत हैं। अगर आप इसे एक साल घटाना चाहते हैं, तो चुनाव आयोग नया प्रस्ताव सामने रखे और राजनीतिक दलों से चर्चा करे।

टिप देना गर्भवती महिला को पड़ा महंगा,पिज्जा डिलीवरी गर्ल ने ले ली जान,14 बार गोदा चाकू

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर 2024। अमेरिका के फ्लोरिडा से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पिज्जा डिलीवरी कर्मचारी ने गर्भवती महिला पर 14 बार चाकू से हमला किया। डिलीवरी गर्ल ब्रियाना अल्वेलो ने कथित तौर पर 2 डॉलर (लगभग 170 रुपये) की टिप मिलने से नाराज होने के बाद गर्भवती महिला पर 14 बार चाकू से हमला किया। हालांकि डिलीवरी गर्ल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन उसका साथी अभी भी फरार है।

एल्वेलो पर हत्या के प्रयास, बंदूक से घर पर हमला, हमला और अपहरण का आरोप है। ओस्सिओला काउंटी शेरिफ कार्यालय ने इस घटना की जानकारी दी है। उन्होंने कहा, अल्वेलो एक साथी के साथ मोटल में लौटा और हमले को अंजाम दिया।

क्या था पूरा मामला?

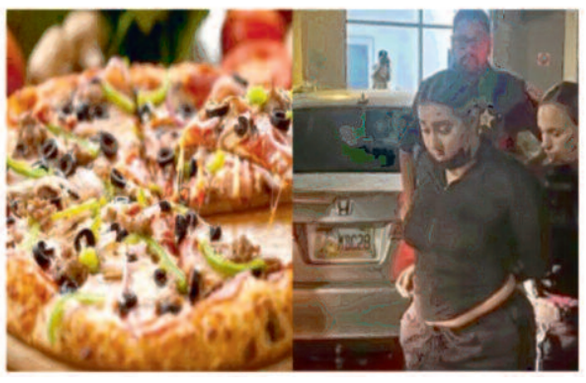

बता दें कि फ्लोरिडा में यह घटना कुछ दिन पहले एक मोटल में घटी, जब 22 साल की ब्रायना अल्वेलो ने जन्मदिन मना रहे एक परिवार को एक ऑर्डर दिया था।

अल्वेलो के हाथ में चाकू था, उन्होंने पीड़ितों में से एक पर हमला करना शुरू कर दिया। पीड़ित को कई बार चाकू मारा गया इसके बाद कमरे के अंदर से सामान ले लिया गया। अल्वेलो बाद में एक अज्ञात पुरुष संदिग्ध के साथ पीड़ित के मोटल के कमरे में लौट आई और कमरे में जबरन घुस गई।

क्यों भड़की डिलीवरी गर्ल?

अधिकारी ने बताया कि अल्वेलो ने परिवार को पिज्जा दिया, जिसकी कीमत करीब 2800 रुपये थी। मगर परिवार के पास खुले रुपये नहीं थे। उनके पास करीब 43 हजार रुपये थे। बाद में परिवार ने बहुत ढूंढने पर पैसे लौटाए और केवल 170 रुपये टिप में दिए। इससे डिलीवरी गर्ल भड़क गई। वह 90 मिनट बाद लाल टोयोटा में एक नकाबपोश साथी के साथ मौके पर पहुंचा। बंदूक से लैस युवक पीड़िता के कमरे में जबरन घुस गए और परिवार पर हमला करना शुरू कर दिया।

पिज्जा कंपनी ने जताया दुख

रिपोर्ट के अनुसार, हमले के समय पीड़िता उसका प्रेमी और उसकी 5 साल की बेटी मोटल के कमरे में थे। बता दें कि मार्को पिज्जा जहां अल्वेलो काम करता था ने एक बयान जारी कर इस घटना पर दुख और खेद व्यक्त किया। उन्होंने कहा,

हम उस दुखद घटना से बहुत दुखी हैं। स्थानीय मालिक और उनकी टीम स्थानीय अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं, जिन्होंने मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राहकों और टीम के सदस्यों की सुरक्षा और भलाई हमेशा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कोरिया कलेक्टर कहती हैं शासकीय जमीन पर कब्जा नहीं होने देंगी, प्रशासकीय कर्मचारी की बहू ही कब्जा कर रही अब क्या कार्रवाई होगी ?

- नगर पालिका बैकुंठपुर में पदस्थ राजस्व निरीक्षक की बहू के नाम पर यदि फर्जी पट्टा जारी होगा तो फिर कार्रवाई की उम्मीद किससे होगी ?
- वास्तव में झुग्गी झोपड़ी का पट्टा पाने वाले सिर्फ सूची में है और आपात्र नगर पालिका निरीक्षक की बहू का पट्टा हो गया जारी कैसे ?
- पट्टा मिलने के बाद कब्जा दिखाने की तैयारी में हो रहा निर्माण शिकायत के बाद भी राजस्व अमला नहीं दे रहा ध्यान ?
- नगर पालिका बैकुंठपुर में पदस्थ राजस्व निरीक्षक का बड़ा कारनामा अपनी बहू के नाम बनवाया झुग्गी झोपड़ी का पट्टा
- झुग्गी झोपड़ी का पट्टा निरस्त करने कलेक्टर कोरिया से हुई शिकायत
- नियम विरुद्ध तरीके से अपने बहू के नाम पट्टा करने वाले राजस्व निरीक्षक पर होगी कार्रवाई

- रवि सिंह -
बैकुंठपुर 28 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी के तहत नजूल जमीन पर काफी समय से काबिज गरीबों को 800 स्क्वायर फीट जमीन का पट्टा देना था, जिसके लिए सर्वे हुआ और उसे सर्वे में राजस्व विभाग के साथ नगरपालिका के कर्मचारी भी शामिल थे, जहां पर पट्टा देने के लिए पात्रता रखने वाले को ही पट्टा जारी होना था पर स्वयं नगर पालिका के नगर राजस्व निरीक्षक ने नियम विरुद्ध तरीके से अपने बहू के नाम पर झुग्गी झोपड़ी का पट्टा जारी कर लिया। जबकि झुग्गी झोपड़ी का पट्टा उन लोगों को मिलना था जो वास्तव में नजूल जमीन पर लंबे समय से काबिज होकर अपना गुजर बसर कर रहे थे जो कभी काबिज भी नहीं था उसके नाम पर पट्टा कैसे जारी हो गया यह बड़ा सवाल है? पट्टा जारी होने के बाद अब उस पर कब्जा किया जा रहा है और कब्जा दिखाकर पट्टा अपने आप को पात्र बताने की तैयारी है। एक तरफ जहां नियम विरुद्ध तरीके से मिले पट्टे को निरस्त करने के लिए कलेक्टर कोरिया से शिकायत की जा रही है तो वहीं दूसरी तरफ बहुत तेजी से कब्जा किया जा रहा है इधर कोरिया कलेक्टर का कहना है कि कोई भी शासकीय जमीन पर कब्जा नहीं कर पाएगा उन्होंने निर्देश जारी किया है पर उनके निर्देश के दौरान ही शासकीय कर्मचारी की बहू ही कब्जा शासकीय जमीन पर कर रही है अब ऐसे में कलेक्टर क्या कार्रवाई करेंगे यह तो आने वाला वक्त बताएगा।

घटती घटना
नगर पालिका बैकुंठपुर में पदस्थ राजस्व निरीक्षक का बड़ा कारनामा
अपनी बहू के नाम बनवाया झुग्गी-झोपड़ी का पट्टा
नगरपालिका बैकुंठपुर के राजस्व निरीक्षक की मनमानी चरम सीमा पर
झुग्गी-झोपड़ी का पट्टा निरस्त करने कलेक्टर कोरिया से हुई शिकायत
नियम विरुद्ध तरीके से अपने बहू के नाम पता करने वाले राजस्व निरीक्षक पर होगी कार्रवाई
वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ है राजस्व निरीक्षक,शहर में बेजा कब्जों पर नही पड़ती उसकी नजर

जब रक्षक ही भक्षक बन जाए

जिनके कंधों पर राजस्व को बचाने की जिम्मेदारी हो यदि वही राजस्व को लूटने लगे तो फिर माफिया पर काबू कौन पाएगा देखा जाए तो जो रक्षक है वही भक्षक बने हुए हैं कुछ ऐसा ही मामला है, नगर पालिका बैकुंठपुर में पदस्थ राजस्व निरीक्षक कौशल यादव के द्वारा भारी गड़बड़ी की गई है, वह भी गड़बड़ी झुग्गी झोपड़ी पट्टा वितरण मामले में हुई है, झुग्गी झोपड़ी पट्टा वितरण नगर पालिका व राजस्व की टीम के द्वारा चयनित करके वितरण किया जाना था, जिसमें रहते हुए नगर पालिका राजस्व निरीक्षक ने नियम विरुद्ध तरीके से झुग्गी झोपड़ी पट्टा अपनी बहू के नाम करवा दिया, जिसकी शिकायत कोरिया कलेक्टर से करते हुए पट्टा निरस्त करने की मांग की गई है पर सवाल यह है कि क्या नियम विरुद्ध तरीके से झुग्गी झोपड़ी पट्टा दिलाने वाले राजस्व निरीक्षक पर कार्यवाही होगी? मिली जानकारी के अनुसार 2019-20 से लेकर 2020-21 की अवधि में राजीव गांधी योजना के तहत झुग्गी झोपड़ी पट्टा वितरण होना था, उन लोगों को जो पहले से घर बनाकर शासकीय व नजूल भूमि पर सालों से निवासरत थे, ऐसे लोगों को चयनित करके पट्टा देना था ताकि उन्हें भूमि मिल सके, यह पट्टा 800 वर्ग फीट भूमि का दिया जाना था, ताकि लोगों को भी घर के लिए जमीन उपलब्ध हो सके, इस पट्टे के वितरण प्रक्रिया में वह चयन प्रक्रिया में राजस्व व नजूल दोनों मिलकर इसकी चयन सूची बना रहे थे, जिसमें अभी एक त्रुटि सामने आई है वह त्रुटि कहें या फिर जानबूझकर की गई गड़बड़ी?

यह है पूरा मामला

बैकुण्ठपुर नगर पालिका क्षेत्र में वर्ष 2019-2020 से 2020-21 की अवधि मे राजीव गांधी योजना अन्तर्गत प्रेमाबाग बैकुण्ठपुर स्थित भू-खण्ड 520/1 मे से रकबा 800 वर्ग फीट भूमि के लिये विभा यादव पति ललीत यादव के नाम पट्टा प्रदाय किया गया है, कथित महिला प्रेमा बाग बैकुण्ठपुर में कभी निवासरत् नही थीं और न ही उसका उक्त भू-खण्ड की अंश पर कभी कोई कब्जा या दखल ही रहा है। उक्त परिषर जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर को आबंटित था जिसमे पुराना शासकीय भवन बना हुआ था जो खण्डहर होने की स्थिति में इसके अंश भाग पर जनपद कर्मचारी भोला राजवाड़े निवास करते थे। विभा यादव मूलतः ग्राम मोदीपारा की निवासी हैं जिनके पति शासकीय नौकरी मे है तथा इनके परिवार में ससुर के नाम पर लगभग 10 एकड़ से अधिक की भूमि एवं पक्का मकान ग्राम मोदीपारा में स्थित हैं जो किसी भी स्थिति में राजीव गांधी योजना अन्तर्गत जारी आवासीय भू-खण्ड का पट्टा प्राप्त करने की पात्रता नही रखती है। इनके करीबी रिश्तेदार नगर पालिका परिषद् बैकुण्ठपुर में राजस्व निरीक्षक के पद पर कार्यरत् है जो शासकीय अभिलेखो में लिपा पोती एवं हेरा फेरी कर स्वयं के स्वार्थ के लिये अपने रिश्तेदार के नाम पर पट्टा जारी कराने मे अहम भूमिका निभाते हुये गलत ढंग से पट्टा जारी करा लिये है जो बेनामी है जिसमे वे स्वयं न्यू खोदवाकर भवन निर्माण करने हेतु प्रयासरत् हैं। मिली जानकारी के अनुसार बिना किसी सूक्ष्म जांच के एवं मौके में कोई कब्जा न होने से की स्थिति को नजर अंदाज कर पट्टा जारी किया गया है। उक्त भू-खण्ड सार्वजनिक प्रयोजन के लिये सुरक्षित रखा जाना आवश्यक है। विभा यादव को पट्टा प्राप्त करने की पात्रता नही नियमो को धता बता कर उन्होने पट्टा प्राप्त किया है ऐसी दशा मौके पर किया जा रहे निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से रोका जाना आवश्यक हो गया है तथा अवैध रूप से प्राप्त पट्टाधारी को बेदखल किया जाना लोक हित में उचित होगा।

पात्रता रखने वाले सिर्फ सूची में मौजूद और आपात्र लोग के नाम हो गया जारी झुग्गी झोपड़ी पट्टा

जो राजीव गांधी योजन से झुग्गी झोपड़ी पट्टा की पात्रता रखते हैं वह सिर्फ सूची में ही शामिल है उन्हें आज भी पट्टा का इंतजार है पर वही जो अपात्र है जिनका कभी कोई कब्जा नहीं है, वह सर्वे के दौरान अपनी बहू के नाम पर पट्टा जारी करवा ले रहे हैं, जो काफी बड़ी गड़बड़ी मानी जा रही है देखा जाए तो इस पर तत्काल प्रशासन को संज्ञान लेकर इस पर कार्यवाही करनी चाहिए पर प्रशासन भी अपने ही कर्मचारियों के सामने लाचार है? कर्मचारी की संरक्षण में ही पट्टा पाने कब्जा हो रहा है, शिकायतकर्ता प्रशासन को बता रहा है फिर भी प्रशासन के कुर्सी पर बैठे लोग नगर राजस्व निरीक्षक के सामने लाचारी बयां कर रहे हैं।

शादी का झांसा देकर बनाए शारीरिक संबंध,प्रेमिका बच्चे को दिया जन्म देखने तक नहीं पहुंचा... जन्मे बच्चे की मौत के बाद मोबाइल भी हुआ बंद

बच्चे का शव लेकर परिवार और समाज के लोग कार्यवाही की मांग को लेकर पहुंचे एसपी ऑफिस

- एसपी कार्यालय पहुंचे पुलिस अधिकारी, शव, पीड़ित और परिवार को लेकर निकले जमनीपारा, बोले होगी कड़ी कार्यवाही

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,27 दिसंबर 2024 (घटती घटना)।

गजब का मामला सामने आया है जब शादी का झांसा देकर प्रेमिका से संबंध बनाया और संबंध के बाद प्रेमिका ने बच्चे को जन्म दिया, जन्म के कुछ दिन बाद बच्चे की मौत हो गई फिर भी पिता नहीं आया और मोबाइल भी बंद कर लिया, बच्चे का शव लेकर एसपी कार्यालय के सामने काफी संख्या में महिलाएं और गांव के लोग सुबह से बैठे है, सभी एसपी कोरिया से मिलना चाहते है, उनकी मांग है कि समाज की एक युवती के साथ समाज के ही युवक पर कार्यवाही की मांग कर रहे है।

दरअसल, कोरिया जिले के बैकुंठपुर जनपद अंतर्गत जमनीपारा का एक युवक ने अपने ही समाज की युवती से 10 साल से प्रेम संबंध था, युवक युवती को बार बार शादी करने की बात कहता, बाद में युवती गर्भवती हो गई, मामला थाने पहुंचा तो युवक को बिठाया गया, बाद में छोड़ दिया, पर युवक ने युवती के साथ विवाह नही किया, बाद में युवती गर्भवती हो गई, और एक बच्चे को जन्मदिन दिया, युवक को बताया गया पर वो देखने नही आया, बच्चे के जन्म के 14 दिन बाद उसकी 27 दिसंबर 2024 को मौत हो गई, आरोपी युवक को कई बार बुलाने गए तो मोबाइल बन्द कर फरार हो गया, इधर पीड़ित परिवार ने पुलिस को इसकी जानकारी दी परंतु कोई कार्यवाही नही हुई, परिवार का कहना है वो इस बच्चे का पिता है सामाजिक रूप से क्रियाकर्म में उसकी भागीदारी की जरूरत पड़ेगी, जिसके बाद आज 28 दिसंबर 2024 को पीड़ित युवती के साथ काफी संख्या में सामाजिक लोग , महिलाएं व मृत बच्चे के शव के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने पहुंचे है, सभी एसपी कोरिया के इंतजार कर रहे है ताकि उन्हें न्याय मिल सके।

2 घंटे से एसपी कार्यालय के सामने शव लेकर बैठे समाज के लोगो

पुलिस अधिकारियों ने युवती से बात की, परिजनों से मिले, शिकायत पत्र को लिया, पीड़ित युवती को अपने शासकीय वाहन में बिठाया, शव को सुरक्षित लेकर उनके साथ चलने को कहा, एसपी कार्यालय पहुंचे पुलिस ने परिजनों और पीड़ित युवती को ढांढस दिलाया और कहा कि पहले एफआईआर दर्ज होगी और फिर आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही होगी, फिलहाल एसपी कार्यालय से सभी लेकर पुलिस घर की ओर निकल गई है।

कैबिनेट मंत्री ने मां बागेश्वरी मंदिर कुदरगढ़ के विकास हेतु सचिव को लिखा पत्र

- संवाददाता -
सुरजपुर, 28 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

महिला व बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने मां बागेश्वरी मंदिर के सर्वांगीण विकास कार्य हेतु प्रसाद योजनांतर्गत विभिन प्रकार के लाभ दिलाने पर्यटन विभाग के सचिव छग शासन को पत्र लिखा है। पत्र में भारत सरकार को पुनः स्मरण पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने पत्र के माध्यम से भटगांव विधानसभा क्षेत्र में स्थित मां बागेश्वरी धाम में रोप वे, हेलीपेड, यज्ञ शाला, ज्योति कक्ष, सीढ़ी निर्माण, शेड, हाई मास्क लाइट, सीसीटीवी कैमरा, पेयजल, सिक्युरिटी चेक, शौचालय, हर्बल गार्डन, हाट बाजार, अपशिष्ट प्रबंधन, आने जाने वाले श्रद्धालुओं के सुविधा हेतु बैटरी वाहन, स्टॉप डेम विकास, प्रसाद किचन, प्रतीक्षालय व अन्य विकास कार्य संपन्न कराए जाने की बात कही है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ सक्षम प्राधिकारी,सूरजपुर, जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ

रा.प्र.क्र. /अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती तरन्नुम फातमा पति श्री मो0 मुस्ताक अहमद, जाति मुसलमान, निवासी ग्राम सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर, छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम सूरजपुर प0ह0नं0 11, रा0नि0मं0 सूरजपुर, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 1540/16 रकबा 0.016 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 30/12/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/अपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 20/12/24 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया

सील — विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ.ग.

राजस्व प्रकरण क्रमांक -08/अ-23/20-21
ग्राम-फुन्दुरडिहारी

दुर्गा प्रसाद सिंह आ0 रामऔतार गोंड़ जाति गोंड
निवासी ग्राम फुन्दुरडिहारी तसील अम्बिकापुर
जिला सरगुजा (छ0ग0) ....आवेदक

प्रति,
बलराम उर्फ बाला राम आ0 विश्वनाथ, जाति कहार
निवासी ग्राम फुन्दुरडिहारी पटेलपारा तहसील अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा (छ0ग0) .....अनावेदक

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि आवेदक दुर्गा प्रसाद सिंह आ0 रामऔतार गोंड जाति गोंड निवासी ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता की धारा 170 (ख) के तहत ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा स्थित वादभूमि खसरा क्रमांक-233/2 रकबा 0.069 हे0 भूमि जो वर्तमान राजस्व अभिलेखों में अनावेदक बलराम उर्फबालाराम आ0 विश्वनाथ जाति कहार निवासी ग्रामा फुन्दुरडिहारी पटेलपारा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के नाम पर अंकित है, को संहिता सहिता की धारा 170 (ख) के तहत वापस दिलाये जाने हेतु निवेदन किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के आधार पर इस न्यायालय में रा0प्र0क्र-08/अ-23/2020-21 पंजीबद्ध कर प्रकरण में जांच की कार्यवाही प्रारंभ की गई। वर्तमान में प्रकरण अनावेदक बलराम उर्फ बाला राम आ0 विश्वनाथ जाति कहार निवासी ग्राम फुन्दुरडिहारी पटेलपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा के उपस्थिति हेतु लंबित है।

अतः इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से अनावेदक बलराम उर्फबाला राम आ0 विश्वनाथ निवासी ग्राम फुन्दुरडिहारी पटेलपारा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा को सूचित किया जाता है कि निर्धारित सुनवाई तिथि 07/01/2025 को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर वादभूमि के संबंध में अपना पक्ष प्रस्तुत करें। निर्धारित सुनवाई तिथि को उपस्थित होने की दशा में यह माना जावेगा कि वादभूमि के संबंध में आपको कुछ नहीं कहना है, और आपकी मौन स्वीकृति मानते हुए आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही किया जाकर प्रकरण में अग्रेत्तर कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 17/12/ 2024 में मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी एवं उद्घोषित।

(फागेस सिन्हा)
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.)अम्बिकापुर

सील

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202410020700251

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः- राजस्व सनः-2024-25

लक्ष्मीपुर प.ह.नं.00023 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-सुरेश एक्का,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0शासन ,

ईश्तहार

आवेदक सुरेश एक्का आ0 करमू एक्का व अन्य, निवासी ग्राम पोड़ीकला तहसील दरिमा, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम लक्ष्मीपुर स्थित खसरा नंबर 178 /3 रकबा 0.022 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश रकबा 0.030 हे0 अंकित हो गया है, जबकि वास्तविक रकबा 0.022 हे0 है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/01/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/12/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र. 202405020700271
अ-6/2023-24

आम सूचना

एतद् द्वारा किरण फिलिप बेवा लल्लू फिलिप,, अनुपम फिलिप, मधुलिका, मंजूलिका, मधुरिमा फिलिप पिता स्व0 लल्लू फिलिप निवासी फुन्दुरडिहारी, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 को सूचित किया जाता है कि आवेदक विरेन्द्र तिर्की आ0 जोसेफ तिर्की, निवासी ग्राम इंदिरानगर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 192/2 में से रकबा 0.016 हे0 भूमि को पंजीबद्ध विक्रयपत्र के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त आवेदन के आधार पर इस न्यायालय में राजस्व प्रकरण क्रमांक 202405020700271/अ-6/2023-24 दर्ज कर नामांतरण हेतु प्रकरण विचाराधीन है। आवेदक पक्ष को अपना सहीं पता ज्ञात नही होने के कारण नोटिस तामिली नहीं हो पा रहा है। समाचार पत्र के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि उक्त संबंध में आपको कोइ आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13/01/2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 16/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र. 202401020700213
अ-6-अ/2023-24

आम सूचना

एतद् द्वारा अल्पना रोज मेरी, अमर रोजलीन, अल्मा सभी पिता स्व0 सिरीजीयुस एक्का, जाति उरांव, निवासी फुन्दुरडिहारी, महुआपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 को सूचित किया जाता है कि आवेदक दुर्गा प्रसाद पिता स्व0 रामऔतार, जाति गोंड, निवासी कोइरा चौक के पास, फुन्दुरडिहारी, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने पिता स्व0 रामऔतार के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 112/2, 112/3 रकबा 0.040, 0.097 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से अनावेदकगण का नाम विलोपित कर आवेदकगण के पिता रामऔतार का नाम दर्जकर त्रुटि सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त आवेदन के आधार पर इस न्यायालय में राजस्व प्रकरण क्रमांक 202401020700213/अ-6-अ/2023-24 दर्ज कर त्रुटि सुधार हेतु प्रकरण विचाराधीन है। आवेदक पक्ष को अपना सहीं पता ज्ञात नही होने के कारण नोटिस तामिली नहीं हो पा रहा है। समाचार पत्र के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि उक्त संबंध में आपको कोइ आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/01/2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 13/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर

C M Y K

क्या अब पुलिस का सायरन जन्मदिवस मनाने के लिए बजेगा ?

जिस पुलिस के सायरन से गुंडों बदमाशों की पतलून ढीली हो जाया करती थी आज पुलिस के उसी सायरन को बजाकर जन्मदिवस मनाया जा रहा है

एक वायरल वीडियो ने कानून व्यवस्था पर ही सवाल उठा दिया है अब इस वायरल वीडियो की सच्चाई तक क्या पुलिस पहुंचेगी ?

वायरल वीडियो में देखा जा रहा है कि एक व्यक्ति के जन्मदिवस पर पुलिस की खड़ी वाहन का सायरन बजाया जा रहा है

- क्या यह सब एक पुलिस वाले के सामने हो रहा था?
- वीडियो अंबिकापुर की बताई जा रही है बाकी पुलिस विभाग की गाड़ी नंबर से इस बात का पता चल सकता है कि मामला कहां का है
- वायरल वीडियो फेसबुक से हो रहा वायरल, वीडियो क्या धौंस दिखाने वायरल है?

- भूपेन्द्र सिंह -
अम्बिकापुर,28 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

एक वायरल वीडियो ने कानून व्यवस्था पर सवाल उठा दिया है और यह सवाल इसलिए उठ गया है क्योंकि पुलिस का सायरन हमेशा ही गुंडे बदमाशों के अंदर दहशत पैदा करता था, पर आज पुलिस का सायरन किसी के जन्मदिवस मनाने के उपलक्ष्य में बजने लगा है तो फिर कानून व्यवस्था की स्थिति को समझा जा सकता है, वायरल वीडियो में देखा जा रहा है कि एक पुलिस वाहन के साथ कई वाहन खड़े हैं और कई वाहनों से सायरन बजाया जा रहा था और एक लड़के का जन्मदिन मनाया जा रहा था, जन्मदिन मनाने के लिए किसी डीजे का उपयोग नहीं पुलिस गाड़ी के सायरन को बजाकर उसका उपयोग किया गया, क्या यह कानूनी रूप से अपराध नहीं या फिर रसूखदार लोग पुलिस को भी अपने पैकेट में रख लिए हैं? जिस वजह से ऐसे ढंग से जन्मदिन मना कर वह अपनी दबंगई साबित करना चाह रहे हैं? वायरल वीडियो अंबिकापुर का बताया जा रहा है पर इस पूरे मामले में जांच अत्यंत जरूरी है, पर दैनिक घटती घटना इस पूरे वायरल वीडियो में कोई भी दावा नहीं करता है पर यह बात जरूर है कि इस वायरल वीडियो की जांच होनी चाहिए और यह जांच पुलिस के गाड़ी नंबर से ही संभव है, ऐसा कहा जा रहा है क्योंकि वायरल वीडियो जो फेसबुक पर डाला गया है वह कहां का है और कब का है? यह भी पता चल जाएगा और उसमें किस पुलिस अधिकारी की शासकीय गाड़ी का उपयोग हुआ है सायरन बजाते हुए किस गाड़ी को जन्मदिन के लिए उपयोग किया गया है यह पता चल जाएगा। इस मामले में जांच और कार्यवाही नहीं हुई तो आगे से पुलिस का वह दबदबा खत्म हो जाएगा गुंडे बदमाशों के मन से जिस दबदबे के कारण ही गुंडे बदमाश बदमाशी करने से डरते हैं।

क्या पुलिस सायरन का उपयोग जन्मदिवस मनाने के लिए सड़क किनारे करना उचित?

वायरल वीडियो जो फेसबुक पर वायरल है में देखा जा सकता है कि कुछ लोग (युवक) एक युवक का सड़क पर ही या कहीं खुले में जन्मदिवस मना रहे हैं और केक काटे जाने के दौरान ही वहां कई गाड़ियों का काफिला भी खड़ा है जिसमें से एक पुलिस गाड़ी भी है शासकीय जिसका सायरन केक काटने के दौरान बज रहा है। सायरन बजाते हुए ही केक काटा जा रहा है यह समझा जा सकता है। अब सवाल यह उठता है कि क्या ऐसा करना सही है क्या पुलिस सायरन का उपयोग पुलिस की शासकीय गाड़ी का उपयोग केक काटने के लिए सायरन और लाल नीली बत्ती बजाने के लिए किया जा सकता है। सवाल बड़ा है जांच और जवाब पुलिस का बनता है।

पुलिस गाड़ी का सायरन बजाकर सार्वजनिक स्थान पर किसी का केक कटवाना क्या उस व्यक्ति के लिए दहशत बनाने का पुलिसिया प्रयास?

सवाल यह भी है कि क्या पुलिस सायरन बजाकर सार्वजनिक स्थान पर किसी का केक कटवाना उस व्यक्ति के लिए दहशत बनाने का प्रयास था पुलिस का। सवाल उठेगा जरूर ऐसा क्योंकि जिस तरह का वीडीयो वायरल है उसके अनुसार यह कहना गलत नहीं है कि मामला दहशत बनाने का ही है और दहशत भी सोशल मीडिया के माध्यम से पूरे देश या वैश्विक स्तर पर साबित करने का प्रयास था। पुलिस के वाहन से सायरन वरना बजाकर केक काटने के पीछे की मंशा क्या रही होगी।

क्या यदि मामला सही है और काननन गलत है तो संबंधित पर होगी कार्यवाही?

पूरे मामले में सबसे पहले जांच जरूरी है और तदोपरांत कार्यवाही जरूरी है। अब जांच में यदि मामला सही पाया जाता है और पुलिस कर्मी या अधिकारी की गलती या उसकी त्रुटि पाई जाती है तो क्या कार्यवाही होगी। संबंधित पर कार्यवाही के दौरान कही यह तो नहीं सुनने देखने को मिलेगा कि पुलिस की जांच पुलिस के हाथ आते ही मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।देखना है कि आखिर क्या होता है मामले में और इस बार पुलिस अपनी छवि के लिए कितना कठोर निर्णय लेती है।

पुलिस वाहन कहां का जांच का विषय वायरल वीडियो अंबिकापुर काः सूत्र

सायरन बजाकर जन्मदिवस मनाए जाने का वायरल वीडियो अंबिकापुर का है यह सूत्रों का कहना है वहीं पुलिस वाहन कहां का है किसके नाम पर एलॉट है कौन उसका चालक है यह जांच का विषय है। अब जांच क्या होती है यह पुलिस को तय करना है और अपनी गिरती साख बचाना है।

क्या किसी पुलिसकर्मी या उसके परिजन का था जन्मदिवस या फिर किसी रसूखदार या नेता मंत्री के परिवार रिश्तेदार का था जन्मदिवस जिसमें सायरन बजाना था जरूरी ?

फेसबुक में जो वीडियो वायरल है उसमें सायरन बजाती गाड़ियों के बीच पुलिस की भी शासकीय गाड़ी खड़ी है सायरन बजा रही है यह देखा जा सकता है सायरन सुना जा सकता है। अब सवाल यह है कि क्या जन्मदिवस किसी पुलिसकर्मी का था उसके परिजन का था या किसी रसूखदार नेता मंत्री का या उसके परिजन का था जिसमें पुलिस वाहन से सायरन बजाना जरूरी और मजबूरी था। सायरन तो वैसे पुलिसकर्मी हो अधिकारी हो नेता मंत्री हो कोई हो किसी के जन्मदिवस के केक काटने के दौरान बजना जरूरी नहीं है। अब किस मजबूरी में सायरन बजा और क्या पुलिस गाड़ी का वहां होना जांच का विषय नहीं है यह जांच का विषय है।

पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में थानों में जब्त किये गये मादक पदार्थ (गांजा) को किया गया नष्ट

- संवाददाता -
कोरबा,28 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी की उपस्थिति में आज एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत जिले के विभिन्न थानों में जब्त किये गये मादक पदार्थों (गांजा) को बाल्को पावर प्लांट के भट्ठी (फर्नेस) में विधिसम्मत नष्टीकरण की कार्यवाही की गई। उपरोक्त नष्टीकरण की कार्यवाही हेतु जिला स्तरीय औषधि व्ययन समिति का गठन किया गया है। जिसमें पुलिस, आबकारी , पर्यावरण सहित अन्य विभागों के अधिकारी शामिल है। नष्टीकरण की सम्पूर्ण कार्यवाही के दौरान एडिशनल एसपी यू बी एस चौहान, श्रीमती नेहा वर्मा, पर्यावरण अधिकारी प्रमेन्द्र शेखर पांडेय, आबकारी अधिकारी आशा सिंह सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गौरतलब है कि पुलिस विभाग द्वारा जिले में मादक पदार्थों के विक्रय, परिवहन एवं भंडारण पर नियंत्रण लगाने हेतु नशीले पदार्थों के कारोबार करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर निरंतर कार्यवाही की जा रहा है। इसी क्रम में आज जिले के पसान, पाली, कटघोरा, दीपका, रजगामार सहित अन्य थाने में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत विभिन्न प्रकरणों में जब्त किए गए कुल 235.65 किलोग्राम गांजा, 03 नग गांजा पौधा एवं 249 नग कैप्सूल का नष्टीकरण किया गया है। इस अवसर पर बाल्को पॉवर प्लांट के अवतार सिंह मुख्य कॉरपोरेट अफेयर्स, श्री सुमंत सिंह, श्री अरुण बिस्वाल सहित बाल्को प्लांट के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

हत्या के आरोपी को थाना प्रेमनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,28 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

ग्राम ब्रम्हपुर पटेलपारा प्रेमनगर निवासी दिलभरन बिंझिया ने थाना प्रेमनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 27 दिसम्बर को घर के पीछे बाड़ी में पड़ोसी आरोपी सूरज देव टेकाम जिसका कोई संतान नहीं है उसे घासीराम की पत्नी के द्वारा निःसंतान है कहने पर आवेश में आकर लोहे का फरसा से मारकर घासीराम की हत्या कर दिया। सूचना पर मर्ग कायमी उपरान्त अपराध क्रमांक 140/24 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने हत्या के आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। थाना प्रेमनगर पुलिस ने प्रकरण की विवेचना कर आरोपी सूरज देव टेकाम पिता नार सिंह उम्र 40 वर्ष को पकड़ा। पूछताछ पर आरोपी ने हत्या की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया जिसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त फरसा जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस

अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रेमनगर नीलिमा तिर्की, एसआई मनोज सिंह, एएसआई रंजीत सोनवानी, प्रधान आरक्षक महेन्द्र पटेल, आरक्षक खेलन सिंह, संतोष ठाकुर, बाबुनाथ पोर्ते, डुलेश्वर, नागेन्द्र राजवाड़े, परमेश्वर राजवाड़े, धनंजय साहू, बृजेश कासी व महिला आरक्षक अंजू सिंह सक्रिय रहे।

सुशासन सप्ताह के तहत विभाग द्वारा मनाया गया प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जागरूकता उत्सव

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी के द्वारा पहुंचविहीन ग्रामीण अंचलों को पक्की सड़क से जोड़ने के संकल्प स्वरूप 25 दिसम्बर वर्ष 2000 को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का आरम्भ किया गया था। इसी क्रम में उनकी जयतीं के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

सुशासन सप्ताह के तहत 23 दिसंबर से 25 दिसंबर तक जन-जन में इस योजना की जागरूकता फैलाकर जश्न मनाया गया है जिसमें विकासखण्ड अम्बिकापुर के अन्तर्गत सड़क मेन रोड से भकुरा कुल लम्बाई 1.20 कि.मी. में ग्राम पंचायत भकुरा के सरपंच, सचिव एवं ग्रामवासियों के उपस्थिति में अटल चौक में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी तरह विकासखण्ड बतौली अंतर्गत ग्राम पंचायत टिरंग में, और विकासखण्ड मैनपाट अंतर्गत ग्राम पंचायत नर्मदापुर में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

उक्त जानकारी देते हुए ईई पीएमजीएसवाई ने बताया कि सरगुजा जिले के अन्तर्गत समस्त विकासखंडो में वर्ष 2000 से अब तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेस-1 में 327 सड़कें जिनकी कुल स्वीकृत लम्बाई 1505.77 कि.मी. है। उनका निर्माण 48378.80 लाख रुपए राशि की लागत के साथ कराया जा चुका है, एवं समय-समय पर उन सड़कों में नवीनीकरण/मरम्मत का कार्य कराया जाता रहा है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेस-2 में अत्यधिक आवागमन वाले मार्ग को ध्यान में रखकर 6 सड़कें जिसकी कुल लम्बाई 81.735 कि.मी. को 3.75 मी. चौड़ाई से बढ़ाकर 5.50 मी. की चौड़ाई में, राशि रूपये 4285.19 लाख की लागत के साथ कार्य कराया जा चुका है तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेस-3 में 16 सड़कें जिनकी कुल लम्बाई 183.049 कि.मी. को ग्रामीणों की सुविधा जैसे स्कूल, आंगनबाड़ी, हाट बाजार, धान ब्रिक्री केन्द्र, उप सवास्थ्य केन्द्र एवं विभिन्न सुवाधाओं को ध्यान में रखते हुये मजबूतीकरण/चौड़ीकरण का कार्य राशि रूपये 8108.77 लाख की लागत से कराया जा चुका है।

इसी तरह प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अन्तर्गत वर्तमान में सरगुजा जिले के समस्त विकाखण्डों में पीएम-जनमन योजना बैच-1 अन्तर्गत 51 सड़कें कुल लम्बाई 189.40 कि.मी., राशि रूपये 14820.17 लाख की स्वीकृति प्राप्त कर कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है तथा पीएम-जनमन योजना बैच-2 के अन्तर्गत 40 सड़कें जिनकी कुल लम्बाई 148.99 कि.मी. है, लागत राशि रूपये 11011.25 लाख का स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।

CMYK

नितीश के शानदार शतक से भारतीय टीम ने पहली पारी में 358 रन बनाकर शानदार वापसी की

-सुंदर के साथ हुई शतकीय साझेदारी

वड़ोदरा (एजेंसी)। मेलबर्न (ईएमएस)। नितीश कुमार रेड्डी के शानदार शतक नाबाद 105 और वाशिंगटन सुंदर 50 के अर्धशतक की सहायता से भारतीय टीम ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन अपनी पहली पारी में 9 विकेट पर 358 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाये थे। इस प्रकार भारतीय टीम अभी भी पहली पारी के आधार पर मेजबान ऑस्ट्रेलिया से 116 रनों से पीछे है। तीसरे सत्र के बाद खराब रोश्नी और बारिश के कारण खेल नहीं हो पाया। ऐसे में खेल समाप्त होने की घोषणा कर दी गयी। उस समय नितीश 105 और मोहम्मद सिराज 2 रनों पर खेल रहे थे। नीतीश ने 176 गेंदों पर 10 चौके और एक छक्का लगाकर शतक लगाया। उनकी वाशिंगटन सुंदर के साथ की हुई 127 रनों की साझेदारी के बल पर भारतीय टीम ने मैच में जबरदस्त वापसी की। इस प्रकार भारतीय टीम ने न केवल फॉलोआन बचाया बल्कि ऑस्ट्रेलिया को करारा जवाब भी दिया। तीसरे दिन के खेल का आकर्षण नितीश और सुंदर के बीच हुई शतकीय साझेदारी रही जिसने मेजबान टीम की सभी चालों को विफल कर दिया। वहीं इससे पहले दूसरे दिन के पांच विकेट पर 164 रनों से आगे खेलते हुए ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा अधिक देर नहीं टिक पाये ऋषभ 28 और रविन्द्र जडेजा 17 पर आउट हुए। इसके बाद नितीश ओर सुंदर ने मोर्चा संभालते हुए मेजबान टीम के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की नितीश के आगे मेजबान टीम की एक न चली।

इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाये थे। जिसके जबाब में भारत की आधी टीम 164 पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। ऐसे में उसपर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा था पर नीतीश व सुंदर ने अपनी साझेदारी से उसे टाल दिया। इस मैच में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा 3 रनों पर ही आउट हो गये। इसके अलावा केएल राहुल भी 24 रन बना पाए थे। यशस्वी जायसवाल ने 86 रनों की पारी खेली और विराट कोहली के साथ 102 रनों की साझेदारी की। विराट के 36 रनों पर आउट होने के बाद भारतीय टीम ने दो विकेट छह रनों के अंतराल पर ही खो दिये जिससे उसकी मुश्किलें बढ़ी गयीं।

वहीं दूसरे दिन यशस्वी जायसवाल की 82 रनों की शानदार पारी की सहायता से भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 164 रन बनाये। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय ऋषभ पंत 6 और रविन्द्र जडेजा 4 रनों पर खेल रहे थे। वही इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। दूसरे दिन के खेल में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी रही। बल्लेबाजी के दौरान जहां स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शतकीय पारी खेली। वहीं इसके बाद उसके गेंदबाजों ने आधी भारतीय टीम को पेवेलिन भेज दिया।

अंतिम सत्र में मेजबान टीम हावी हो गयी। 474 रनों का पीछा करते हुए एक समय भारतीय टीम ने दो विकेट पर 153 रन बनाये थे। इसके

बाद छह रनों के अंदर ही भारतीय टीम ने तीन और विकेट खो दिए। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बदकिस्मती से रन आउट हो गये। यशस्वी ने कोहली के साथ 102 रन की साझेदारी की। यशस्वी के रन आउट होते ही भारतीय टीम दबाव में आ गयी। यशस्वी 82 रन बना सके जबकि विराट कोहली ने 36 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे आकाश दीप भी शून्य पर ही आउट हो गये। भारतीय पारी की शुरुआत बेहद खराब रही और कप्तान रोहित शर्मा तीन रन और केएल राहुल 24 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए।

गावस्कर और शास्त्री ने नितीश को भविष्य का सितारा बताया

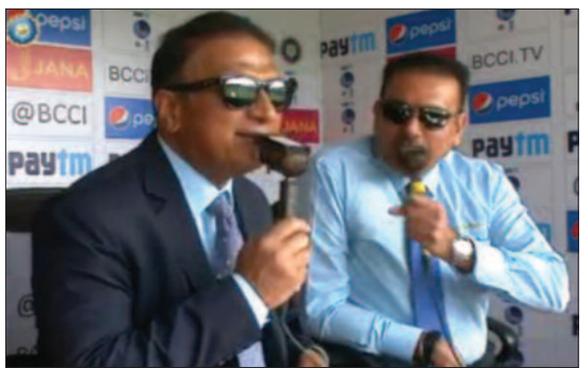

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान क्रिकेटर सुनील गावस्कर और पूर्व कोच रवि शास्त्री ने युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह भविष्य का सितारा है। नीतीश ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी शतकीय पारी से इन दिग्गजों को बेहद प्रभावित किया है। गावस्कर ने कहा कि वह भारतीय क्रिकेट के अगले सितारे हैं। यह पहला टेस्ट शतक है और वह निकट भविष्य में और भी शतक बनाने जा रहा है। मैं भविष्य में उसे रनों को बनाते हुए देखने की उम्मीद कर रहा हूं। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि अगर वह खुद के प्रति सच्चा रहे तो काफी आगे जाएगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, उन्हें यहां तक पहुंचने के अपने पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के बलिदान को याद रखना होगा। नितीश यहां भारतीय क्रिकेट के कारण हैं और उन्हें यह पक्का करना होगा कि वह भारतीय क्रिकेट को हल्के में न लें। अगर वह खुद के प्रति सच्चा रहता है, तो एक सफल करियर उसकी राह देख रहा है।

इस युवा ने अब तक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं। पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री ने कहा कि मुझे लगता है कि जिस तरह से उसने बल्लेबाजी की है, यह आखिरी बार है जब वह 7वें नंबर पर बल्लेबाजी करेगा। टीम का संतुलन बनाने के लिए, आपको उसे पांचवें या छठे क्रम पर उतारना चाहिये। उन्होंने कहा कि वह शीर्ष 6 में बल्लेबाजी करने में पूरी तरह सक्षम हैं क्योंकि वह खेल का पूरा संतुलन बदल देता है।

साल 2024 : पृथ्वी रहे सबके निशाने पर

मुम्बई (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ अपने खराब फार्म और फिटनेस के कारण आलोचना का केन्द्र बने हैं। पृथ्वी को कई दिग्गजों ने फार्म हासिल करने अनुशासन में रहने के साथ ही फिटनेस पर ध्यान देने को कहा है। वहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की आलोचना करते हुए कहा है कि उन्हें अपने प्रदर्शन पर शर्म आनी चाहिये। कैफ के अनुसार लगातार खराब प्रदर्शन के कारण ही पृथ्वी को आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला। एक भी फ्रैंचाइज ने उनपर बोली नहीं लगायी। पृथ्वी ने नीलामी के लिए अपना आधार मूल्य 75 लाख रुपए लगाया था। कैफ का मानना है कि पृथ्वी को अपनी फिटनेस पर काम करते हुए घरेलू क्रिकेट में अधिक से अधिक रन बनाने चाहिये। उन्होंने कहा, फ्रैंचाइजी आगे बढ़ गई हैं और यह उनके लिए बहुत बड़ी शर्म की बात है कि उन्हें 75 लाख रुपए की बोली भी नहीं मिली। उन्हें घरेलू क्रिकेट में वापस लौटना चाहिए और रन बनाने चाहिए। कैफ ने कहा कि इस युवा बल्लेबाज को इस बात पर शर्मिंदा होना चाहिए कि बोली प्रक्रिया में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला। कैफ ने कहा, दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार अच्छा प्रदर्शन देखने की उम्मीद के साथ उनका समर्थन किया था। उनमें एक ओवर में 6 चौके लगाने की क्षमता है। पिछले सत्र की बात करें तो हमें लगा था कि अगर वह रन बनाएंगे, तो दिल्ली कैपिटल्स जीत जाएगी। उन्हें अपनी योग्यता साबित करने के लिए बहुत मौके दिए गए। उन्होंने कहा, टीम बैठकों के दौरान, इस बात पर विचार किया कि पृथ्वी को उनकी असफलताओं के कारण अंतिम 11 में रखा जाना चाहिए या नहीं। हमने तय किया कि उन्हें बेंच पर बैठाया जाएगा पर अगले दिन हमने यह सोचकर अपना फैसला बदल दिया कि वह बड़ा प्रदर्शन करेंगे और हमें मैच जिताएंगे पर ऐसा नहीं हुआ।

बेवकूफाना शॉट, क्या जरूरत थी ! ऋषभ पंत को आऊट होता देख गुस्साए गावस्कर

मेलबर्न (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने 'बेवकूफाना शॉट' खेलने के लिए ऋषभ पंत को आड़े हाथों लिया। आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में भारतीय टीम को उस समय साझेदारी की सख्त जरूरत थी लेकिन पंत ने स्कॉट बोलैंड को फाइन लेग पर स्कूप शॉट खेलने के प्रयास में डीप थर्डमैन में नाथन लियोन को कैच थमा दिया। गावस्कर ने कमेंट्री के दौरान कहा कि बेवकूफाना, निहायत ही बेवकूफाना। वहां दो फील्डर खड़े हैं लेकिन उसके बावजूद यह शॉट खेला। पिछले शॉट पर चूकने के बावजूद और डीप थर्ड मैन पर कैच दे दिया। यह तो अपना विकेट गंवाना है।

गावस्कर ने कहा कि और वह भी तब जब टीम इन हालात में है। हालात को भी समझना चाहिए था। आप यह नहीं कह सकते कि यह आपका स्वाभाविक खेल है। यह आपका स्वाभाविक खेल नहीं है। यह बेवकूफाना शॉट था। आपने टीम को निराश किया है। उन्होंने कहा कि उसे ड्रेसिंग रूम में नहीं जाना चाहिए। उसे दूसरे ड्रेसिंग रूम में जाना चाहिए। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने इसे जोखिमभरा शॉट बताया। गावस्कर ने 176 गेंद में नाबाद 105 रन बनाने वाले 21 वर्ष के रेड्डी की पारी की तारीफ करते हुए कहा कि नीतिश कुमार रेड्डी का यह शतक भारतीय क्रिकेट के इतिहास में महानतम शतकों में से एक है।

मैच की बात करें तो नीतिश कुमार रेड्डी के नाबाद शतक की मदद से भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन खराब रोशनी के कारण खेल जल्दी समाप्त किए जाने पर 9 विकेट खोकर 358 रन बना लिए। भारतीय टीम आस्ट्रेलिया के पहली पारी के 474 रन से 116 रन पीछे है। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर रेड्डी 105 और मोहम्मद सिराज दो रन बनाकर खेल रहे थे। आस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने तीन-तीन विकेट लिए। नीतिश ने शतक लगाकर मेलबर्न में विराट कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अब उम्मीद हैं कि वह चौथे दिन टीम इंडिया का स्कोर तेजी से बढ़ाने की कोशिश करेंगे ताकि ऑस्ट्रेलिया के पास कम से कम लीड हो।

विजय हजारे ट्रॉफी : पंजाब ने मुम्बई को हराया

मुंबई । पंजाब ने अर्शदीप सिंह की अच्छी गेंदबाजी के बाद प्रभसिमरन सिंह और कप्तान अभिषेक शर्मा की शानदार बल्लेबाजी की सहायता से विजय हजारे ट्रॉफी में मुम्बई को दस विकेट से हरा दिया। इस मैच में पंजाब ने टॉस जीतकर मुंबई को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मुम्बई की टीम पंजाब के बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप के सामने टिक नहीं पायी और 48.5 ओवर में 148 रन पर ही सिमट गयी। अर्शदीप ने 38 रन देकर पांच विकेट लिए। इसके बाद पंजाब ने जीत के लिए मिले लक्ष्य को 29 ओवरों में ही 2 विकेट पर 149 रन बनाए हासिल कर लिया।

पंजाब की ओर से लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रभसिमरन सिंह ने 101 गेंदों पर नाबाद 150 रन की पारी खेली। वहीं कप्तान अभिषेक शर्मा ने भी 54 गेंदों पर 66 रन बनाए। इन दोनों के बीच पहली विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी हुई और पंजाब को 10 विकेट से जीत मिली।

ऑस्ट्रेलिया में आठवें नंबर पर उतरकर शतक लगाने वाले पहले भारतीय बने नितीश

मेलबर्न । भारतीय टीम के बल्लेबाज नीतीश रेड्डी ने यहां एमएसजी में शतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। नीतीश मेलबर्न में टीम इंडिया की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में आठवें क्रम पर बल्लेबाज करते हुए शतक लगाने वाले पांचवें बल्लेबाज बने हैं। इससे पहले ये उपलब्धि दिग्गज स्पिनर आर अश्विन, पूर्व कप्तान महेन्द्र सिहं धोनी, पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह और महान ऑलराउंडर कपिल देव ने हासिल की थी। अश्विन ने आठ या आठवें क्रम से निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए चार और धोनी, हरभजन एवं कपिल ने क्रमश दो-दो शतक लगाए थे। यही नहीं नीतीश कुमार रेड्डी आठवें क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए भारत की तरफ से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर टेस्ट शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले यह खास उपलब्धि अनिल कुंबले के नाम दर्ज थी। जिन्होंने 2008 में एडिलेड में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 87 रन बनाए थे। वहीं रविन्द जडेजा ने 2019 में सिडनी में 81 रन बनाये थे। नीतीश ने 172 गेंदों में 59.88 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए अपना पहला शतक पूरा किया। उन्होंने नाबाद 105 रन बनाये हैं। इस प्रकार व ऑस्ट्रेलिया में भारत की तरफ से नंबर आठ या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने हैं। यही नहीं नीतीश भारत की तरफ से नंबर आठ या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं।

न्यूजीलैंड ने पहले टी20 में श्रीलंका को 8 रनों से हराया

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। डेरिल मिचेल के 62 और माइकल ब्रेसवेल 59 के अर्धशतकों की सहायाता से मेजबान न्यूजीलैंड की टीम ने श्रीलंका को पहला टी20 मुकाबला जीतने के साथ ही सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। न्यूजीलैंड की टीम ने इस मैच में पहले खेलते हुए 20 ओवरों में 172 रन बनाए थे। इसके बाद खेलते हुए श्रीलंकाई टीम 8 विकेट पर 164 रन ही बना पायी और उसे 8 रनों से हार का सामना करना पड़ा। श्रीलंकाई टीम इस मैच में एक समय जीत की ओर बढ़ रही थी और उसेन 121 रन पर केवल एक विकेट खोया था लेकिन इसके बाद मेजबान टीम के गेंदबाज जैकब डफी ने एक ही ओवर में तीन विकेट लेकर श्रीलंका की बल्लेबाजी ढ़हा दी। श्रीलंकाई टीम ने दबाव के कारण अंतिम 40 गेंदों में ही 8 विकेट खो दिए।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कीवी टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही टिम रॉबिन्सन 11 और रचिन रवींद्र 8 रनों पर ही आउट हो गये। इसके बाद मार्क चैपमैन 15 तो ग्लेन फिलिप्स 8 रन बनाकर आउट हुए। आधी टीम 65 रन पर ही पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद डेरिल मिचेल ने माइकल ब्रेसवेल के साथ 100 रनों से ज्यादा की साझेदारी कर टीम का स्कोर 172 तक पहुंचाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम अच्छी शुरुआत के बाद भी जीत नहीं पायी। श्रीलंका की ओर से पाथुम निसांका और कुसल मेंडिस

ने अपनी टीम को अच्छी शुरूआत दी और पहले विकेट के लिए 121 रन जोड़े। निसांका ने 90 जबकि मेंडिस ने 46 रन बनाए। इसके बाद श्रीलंका ने लगातार विकेट खोये जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

हॉकी इंडिया लीग में मेंटोर के तौर पर नजर आयेंगी रानी

रोहतक । भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल आजकल जूनियर महिला टीम की कोच के तौर पर काम कर रही हैं। इसी को लेकर रानी ने कहा, ''सब जूनियर खिलाड़ियों के साथ काम करने का मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा और मैंने इससे काफी कुछ सीखा। वे युवा लड़कियां थीं जो मेरे जैसी ही पृष्ठभूमि से आती हैं। उनकी परेशानियों को समझना और उनका मार्गदर्शन करना आसान था।'' उन्हें मार्गदर्शन की जरूरत है और मैंने उनके साथ अपने अनुभव साझा करके उन्हें वह मार्गदर्शन देने का प्रयास किया है।'' वह आगामी हॉकी इंडिया लीग में सूरमा हॉकी क्लब के लिए मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में भी काम करेगी। इसमें पहली बार महिलाओं का टूर्नामेंट भी होगा। रानी ने साल 2008 में 14 साल की उम्र में ओलंपिक क्वालीफायर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था। इसलिए उन्हें पता है कि एक युवा खिलाड़ी किस तरहके दबाव का अनुभव करता है। उन्होंने कहा, ''मैं सूरमा क्लब की मेंटर बनने जा रही हूं इसलिए मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से उस भूमिका को निभाने का प्रयास करुंगी। युवा खिलाड़ियों पर मानसिक और भावनात्मक रूप से प्रदर्शन करने का बहुत दबाव होता है। में इसमें उनकी मदद करना चाहूंगी।

इस कारण पीएसएल में नहीं खेल सकेंगे इंग्लैंड के खिलाड़ी : ईसीबी

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाड़ी अब पाकिस्तान सुपर लीग में नहीं खेल पाएंगे। इसका कारण है कि इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अपनी खिलाड़ियों के इस लीग में आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ईसीबी के अनुसार पीएसएल के समय ही देश में घरेलू सत्र भी चलता है। ऐसे में खिलाड़ियों की उपलब्धता में आ रही परेशानी को दूसरे करने के लिए ईसीबी ने अपने खिलाड़ियों के उस समय कहीं और खेलने पर रोक लगा दी है। आईपीएल पर ये प्रतिबंध लागू नहीं होता है। इंग्लैंड ने हाल ही में आईपीएल के अगले तीन सीज के लिए अपने खिलाड़ियों की पूरी उपलब्धता की पुष्टी की है। खिलाड़ियों को आईपीएल के अलावा पीएसएल और दुनिया की अन्य फ्रेंचाइजी लीगों में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि ये गर्मियों में घरेलू सत्र के साथ टकराती हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि, ईसीबी खिलाड़ियों को वाइटैलिटी ब्लास्ट और हंड्रेड के साथ टकराने वाले किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं देगी। नई नीति के तहत जो खिलाड़ी अब फर्स्ट क्लास क्रिकेट नहीं खेलते हैं उन्हें भी इंग्लिश घरेलू व्हाइट-बॉल खेलों को मिस करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईसीबी के मुख्य अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने कहा कि हमें अपने खेल और अपनी प्रतियोगिताओं की मजबूती को बनाये रखने की आवश्यकता है।

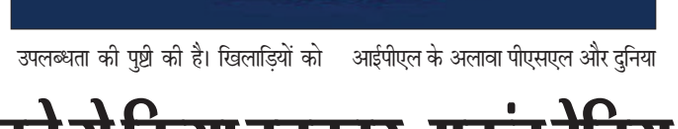

सुमित नागल ने फिर राष्ट्रीय टीम में खेलने से किया इनकार, मुकुंद डेविस कप टीम में लौटे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सुमित नागल ने एक बार फिर डेविस कप में देश के लिए खेलने से इनकार कर दिया है और अपनी वापसी के लिए 'अनुचित शर्तें' रखी हैं जबकि शशिकुमार मुकुंद की शुक्रवार को टोगो के खिलाफ मुकाबले के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई क्योंकि एआईटीए कार्यकारी समिति ने उनका निलंबन रद्द कर दिया था।

एटीपी टूर पर संघर्ष कर रहे नागल ने सितंबर में पीठ में खिंचाव का हवाला देते हुए स्वीडन के खिलाफ मुकाबले से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने जनवरी-फरवरी में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए इस्लामाबाद जाने से भी इनकार कर दिया था और कहा था कि घास के मैदान उनकी खेल शैली के अनुकूल नहीं हैं। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) चयन पैनल ने पांच सदस्यीय टीम चुनी है जिसमें मुकुंद 368वें नंबर पर सर्वोच्च रैंकिंग वाले एकल खिलाड़ी होंगे।

मुकुंद निलंबित थे और स्वीडन के खिलाफ मुकाबले का हिस्सा नहीं थे। लेकिन गैर-खिलाड़ी कप्तान रोहित राजपाल ने इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी से बात की जिन्होंने फिर 1-2 फरवरी को नयी दिल्ली में होने वाले विश्व ग्रुप क प्ले-ऑफ मुकाबले के लिए खुद को उपलब्ध बताया। एक सूत्र ने कहा, ''कप्तान राजपाल ने मुकुंद से बात की जिसके बाद कार्यकारी समिति ने उनका निलंबन रद्द कर दिया इसलिए उन्हें चुना गया। वह अच्छे खिलाड़ी हैं और उन्हें फिर से भारत की जर्सी पहनने का मौका दिया जाना चाहिए।''

राजपाल 2025 सत्र में डेविस कप टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे। पता चला है कि उन्होंने नागल को राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने पर लौटने के लिए मनाने की कोशिश की। लेकिन जब खिलाड़ियों से उनकी उपलब्धता के बारे में पूछा गया तो उन्होंने उस मेल का जवाब नहीं दिया। स्वीडन के मुकाबले में भी चूकने वाले युकी भांबरी ने खुद को प्रतियोगिता के लिए अनुपलब्ध बताया है।

राजपाल ने पीटीआई से कहा, ''मैं सुमित से बेहद निराश हूं जिन्होंने खुद को इस मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं कराया। हमने पिछली बार भी उनकी सभी मांगों पर सहमति जताई थी फिर भी उन्होंने राष्ट्रीय टीम में खेलने से इनकार कर दिया जो अस्वीकार्य है।'' एआईटीए के एक सूत्र ने कहा, ''नागल ने कुछ अनुचित मांगें रखी हैं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता।''

रामकुमार रामनाथन (रैंकिंग 393) और करण सिंह (473) टीम में दो अन्य एकल खिलाड़ी हैं। भांबरी (48वीं रैंकिंग) की अनुपस्थिति में एन श्रीराम बालाजी (65) युगल टीम का नेतृत्व करेंगे और उनके ऋत्विक चौधरी बोलिपल्ली (72) के साथ जोड़ी बनाने की संभावना है जिन्हें पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। चार खिलाड़ियों आर्यन शाह

(592), मानस धामने, दक्षिणेश्वर सुरेश और युवान नंदल को ट्रेनिंग शिविर में बुलाया जाएगा तथा इनमें से दो रिजर्व खिलाड़ी चुने जाएंगे।

एआईटीए के एक सूत्र ने कहा, ''नागल के आग्रह पर ही इस मुकाबले के लिए धीमा हार्डकोर्ट चुना गया लेकिन अब उन्होंने कहा है कि वे नहीं खेलेंगे। अगर उन्होंने अपना रुख स्पष्ट कर दिया होता तो कप्तान राजपाल इस मुकाबले के लिए ग्रासकोर्ट चुनते।

लवलीना विश्व मुक्केबाजी के एथलीट आयोग में शामिल

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को विश्व मुक्केबाजी संघ की नई एशियाई संस्था के एथलीट आयोग में शामिल किया गया है। । नई एशियाई संस्था में भारत से लवलीना के अलावा अध्यक्ष अजय सिंह सहित भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह सहित छह अधिकारियों को शामिल किया गया है। विश्व मुक्केबाजी संघ का मानना है कि एशियाई मुक्केबाजी के भविष्य को बेहतर बनाने में बीएफआई से जुड़े अधिकारी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसी को देखते हुए इन्हें सात अहम समितियों में शामिल किया गया है। सिंह को बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। लवलीना की जिम्मेदारी इसमें एशियाई और वैश्विक मुक्केबाजी में खिलाड़ियों से जुड़े मामलों को उठाना और उनकी बेहतरी के प्रयास करना रहेगा। बीएफआई महासचिव हेमंत कुमार कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह को ओलंपिक आयोग और वित्त एवं लेखा जांच समिति में अहम भूमिका मिली है। एशियाई मुक्केबाजी का निर्माण विश्व मुक्केबाजी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है। इसका काम ये पक्का करना होगा कि मुक्केबाजी 2028 और उसके बाद भी ओलंपिक खेलों में शामिल रहे।''एथलीट आयोग में शामिल लवलीन ने पूरे एशिया में एथलीटों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे, अवसरों और सहायता प्रणालियों को बढ़ाये जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, ''एशियाई मुक्केबाजी में एथलीट आयोग के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। यह सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है कि खिलाड़ियों की आवाज सुनी जाए और निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाए।'' उन्होंने कहा, ''मेरा ध्यान पूरे एशिया में बेहतर प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे, निष्पक्ष अवसरों और मजबूत समर्थन प्रणालियों को आगे बढ़ोन पर होगा जो मुक्केबाजों को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सशक्त बनाते हैं।''

छत्तीसगढ़ के 17 IPS को मिलेगा न्यू ईयर में प्रमोशन का तोहफा

» दो आईजी, 7 डीआईजी, 8 को सिलेक्शन ग्रेड, जानिये इस बार एडीजी क्यों नहीं ?

रायपुर,28 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ पुलिस में वरिष्ठ रैंक के अफसरों की संख्या नए साल में और बढ़ जाएगी। राज्य के 17 आईपीएस पदोन्नति की कतार में खड़े हैं। इनमें रायपुर एसएसपी लाल उमेद सिंह के साथ सीएम विष्णुदेव साय का गृह जिला संभाल रहे शशिमोहन सिंह भी शामिल हैं। ये सभी अफसर 2011 और 2012 बैच के हैं। इस वर्ष 1999 बैच के आईपीएस एडीजी बनाए जाने हैं, लेकिन इस बैच का राज्य में कोई भी अफसर नहीं है। प्रदेश में अगले साल भी कोई एडीजी प्रमोट नहीं होगा, क्योंकि 2000 बैच भी खाली है।

डीआईजी से आईजी प्रमोशन

छत्तीसगढ़ के दुर्ग और राजनांदगांव पुलिस रेंज के प्रभारी आईजी अब पूर्णकालिक आईजी बन जाएंगे। रामगोपाल गर्ग और दीपक झा 2007 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। डीआईजी रहने की वजह से दोनों को प्रभारी आईजी बनाया गया था। मगर नए साल में प्रमोशन के पश्चात इनके पदनाम से प्रभारी हट जाएगा। अब वे पूर्णकालिक आईजी बन जाएंगे।

सात आईपीएस बनेंगे डीआईजी

दो साल पहले सिलेक्शन ग्रेड पा चुके 2011 बैच के सात आईपीएस अधिकारी अब डीआईजी रैंक पर प्रमोट होंगे। इनमें संतोष कुमार सिंह, इंदिरा कल्याण एलिसेला, गोवर्धन सिंह ठाकुर, तिलक राम कोशिमा, प्रशांत कुमार ठाकुर, अजातशत्रु बहादुर सिंह और लाल उमेद सिंह शामिल हैं। लाल उमेद सिंह इस समय रायपुर के इंदिरा कल्याण ऐलेसेला कांकेर और प्रशांत ठाकुर सूरजपुर के एसएसपी हैं।

आईपीएस प्रमोशन के बाद छत्तीसगढ़ में पांच एसएसपी और बढ़ जाएंगे। 2102 बैच के पांच आईपीएस इस समय विभिन्न जिलों में पुलिस अधीक्षक हैं। इनमें आशुतोष सिंह महासमुंद, विवेक शुक्ला जांजगीर, शशिमोहन सिंह जशपुर, विजय अग्रवाल बलौदा बाजार और रामकृष्ण साहू बेमेतरा शामिल हैं।

डीपीसी नए साल में

आईपीएस अधिकारियों के प्रमोशन के लिए नए साल में डीपीसी बैठेगी। सलेक्शन ग्रेड के लिए तो डीपीसी नहीं लगता। चीफ सिकरेट्री, एसीएस होम और डीजीपी की तीन सदस्यीय कमेटी जिस दिन चाहे मंत्रालय में बैठकर इस पर मुहर लगा सकती है। डीआईजी और आईजी प्रमोशन के लिए जरूर डीपीसी के लिए एमएचए के प्रतिनिधि आते हैं।

नए साल में किसी भी दिन

नए साल में गृह विभाग किसी भी दिन डीपीसी आयोजित कर सकता है। संकेत हैं कि कोई विघ्न बाधा नहीं आई...मसलन सभी का सीआर वगैरत उपलब्ध रहे तो जनवरी में प्रमोशन आदेश जारी हो जाएगा।

आठ आईपीएस को सलेक्शन ग्रेड

छत्तीसगढ़ के भारतीय पुलिस सेवा के आठ अधिकारियों को सलेक्शन ग्रेड मिलेगा। आईपीएस में 12 बरस की सर्विस पूरी कर चुके 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी इसके दावेदार हैं। इनमें आशुतोष सिंह, विवेक शुक्ले ला, शशि मोहन सिंह, राजेश कुकरेजा, श्वेता राजमणि, राजेश अग्रवाल, विजय अग्रवाल और रामकृष्ण साहू शामिल हैं।
पांच एसएसपी

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

सीएम साय ने कुशाभाऊ ठाकरे और सुंदर लाल पटवा की पुण्यतिथि जयंती पर किया नमन

रायपुर,28 दिसम्बर 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 28 दिसंबर को स्वर्गीय कुशाभाऊ ठाकरे और सुंदर लाल पटवा की पुण्य तिथि तथा अरुण जेटली की जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री साय ने कुशाभाऊ ठाकरे जी के देश के लिए योगदान को याद करते हुए कहा है कि कुशाभाऊ नैतिकता, आदर्श व सिद्धांतों के प्रकाश स्तंभ थे। राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण अटूट था। कुशाभाऊ ठाकरे जी ने समाज के प्रत्येक वर्ग की सुख-समृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से काम किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कुशाभाऊ ठाकरे जी जैसे निष्काम कर्मयोगी के विचार और जीवनमूल्य हमें सदैव देश सेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पद्मविभूषण स्वर्गीय अरूण जेटली की 28 दिसंबर को जयंती पर उन्हें नमन किया है। उन्होंने कहा कि जेटली जी ने भारत के वित्त, रक्षा, कॉरपोरेट मामले, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभागों को कुशलता से संभाला और देश के विकास को नई गति दी। उन्होंने देश की आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जेटली जी को वित्तीय मामलों का गूढ़ जानकार माना जाता था। उन्होंने भारत में आर्थिक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अरुण जेटली का देश के विकास में दिया गया अमूल्य योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज से सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लिया आशीर्वाद

रायपुर,28 दिसम्बर 2024(ए)। रायपुर। श्री सुदर्शन संस्थानम, शंकराचार्य आश्रम, रावांभाटा में आयोजित हिंदू राष्ट्र संगोष्ठी में परम पूज्य गोवर्धनमठपुरी पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। महाराजश्री के प्रेरणादायी विचारों और आशीर्वाद से आत्मबल और राष्ट्रसेवा का संकल्प और दृढ़ हुआ। ऐसे संतों का मार्गदर्शन हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित और सशक्त बनाता है।

बीजेपी ने नारी सशक्तिकरण के लिए काम किया:अरुण साव

दुर्ग,27 दिसम्बर 2024(ए)। रायपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा मंडल के अध्यक्षों की नियुक्ति विवाद के बीच बड़ी बैठक की गई, इसमें प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन भी शामिल हुए. इसे लेकर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि मंडल अध्यक्षों का अच्छे से चुनाव संपन्न हुआ है। 400 से ज्यादा मंडल है, एक दो में शिकायत आई है. जिला अध्यक्षों के चयन में बहुत अच्छे से राय सुमारी हुई है। तीन नामों का पैनल बनाकर केंद्रीय चुनाव समिति को भेजा गया है।

पूर्व मंत्री कवासी लखमा के बेटे के घर छापा

जिंप अध्यक्ष के साथ नगर पालिका अध्यक्ष के घर भी पहुंची टीम

जगदलपुर,28 दिसम्बर 2024 (ए)। ED Raid छत्तीसगढ़ में शनिवार सुबह श्वष्ठ ने छापेमार कार्रवाई की है। श्वष्ठ ने कांग्रेस के कद्दावर नेता व कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे कवासी लखमा के बेटे हरीश कवासी के घर में छापा मारा है। सुकमा जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश कवासी के साथ ही सुकमा नगर पालिका अध्यक्ष राजू साहू के घर में भी ED Raid की छापेमार कार्रवाई चल रही है।

ED Raid फोर्स की ही तैनात

ED Raid मिली जानकारी के अनुसार श्वष्ठ की टीम सुबह सुकमा पहुंची है। इसके बाद हरीश कवासी और राजू साहू के घर में श्वष्ठ के अधिकारियों ने छापा मारा है। इस दौरान बड़ी संख्या में दोनों के घर के बाहर CRPF को तैनात किया गया है। ED Raid बता दें कि जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश कवासी और नगर पालिका अध्यक्ष राजू साहू एक दूसरे के मित्र है।

छापे का कारण अज्ञात

मिली जानकारी के अनुसार कोंटा विधायक कवासी लखमा फिलहाल रायपुर में है। उनके गैर मौजूदगी में उनके बेटे के यहां श्वष्ठ की कार्रवाई चल रही है। ED Raid फिलहाल श्वष्ठ के अधिकारी दस्तावेजों की जांच में जुटे हुए हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि किसी मामले में श्वष्ठ ने छापा मारा है।

घर में मोबाइल छोकर कांग्रेस नेता सुशील ओझा गायब,ED की कार्रवाई जारी

रायपुर,28 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में आज ईडी की ताबड़तोड़ कार्रवाई देखने को मिली। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने रायपुर और सुकमा में कांग्रेस नेताओं और उनके करीबियों के ठिकानों पर दबिश दी है। वहीं, दबिश के दौरान ईडी के अधिकारियों को कई अहम दस्तावेज भी मिले हैं, जिसके बाद ये माना जा रहा है कि आगामी दिनों में कई अहम खुलासे हो सकते हैं। बता दें कि ईडी ने आज कथित शराब घोटाला के मामले को लेकर रेड डाली थी। लेकिन ईडी की कार्रवाई के बीच एक बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है।

मिली जानकारी के अनुसार पूर्व मंत्री कवासी लखमा के बेहद करीबी माने जाने वाले सुशील ओझा के चौबे कॉलोनी स्थित आवास पर आज ईडी की टीम ने दबिश दी। लेकिन इस दौरान सुशील ओझा नहीं मिले। वहीं, परिजनों की मानें तो वो पिछले दो दिन से अपने दोनों मोबाइल छोड़कर घर से गायब हैं। बताया गया कि सुशील ओझा की तलाश में ईडी के अधिकारियों ने नयापार स्थित सद्दाम सोलंकी के घर पर भी दबिश दी थी, लेकिन वहां से भी ईडी की टीम खाली हाथ लौट आई। फिलहाल चौबे कॉलोनी स्थित आवास पर ईडी की कार्रवाई लगातार जारी है।

IAS अफसर बोले,10 रैंक आने पर मेरा घमंड टूटा

भिलाई,28 दिसम्बर 2024 (ए)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में चल रहे विंटर कार्निवाल के चौथे दिन बच्चों ने गोविंद बोलो हरे गोपाल बोलो जैसे गीत के साथ एक्सरसाइज करते हुए सेशन की शुरुआत की। आज संयुक्त कलेक्टर भार्गव जी बच्चों के बीच उपस्थित होकर अपने जीवन के अनुभवों को साझा कर बच्चों के प्रश्नों के उत्तर दिए। भार्गव जी ने कहा कि कंपीटिशन बहुत ज्यादा है,आपको घबराना नहीं है।

इसके लिए जीवन में बहुत सारे वैल्यूज,आंतरिक शांति आवश्यक है। मेडिटेशन से हमारा दृष्टिकोण क्लियर होता है। खुद के साथ ऑनेस्ट रहे। पढ़ाई करते हुए आप बोर होते है इसलिए स्पोर्ट्स मेडिटेशन अन्य सकारात्मक एक्टिविटी आवश्यक है। आपने बताया कि जीवन में फेल होना भी आवश्यक है।मुझे अच्छी पढ़ाई का अभिमान था। 10 रैंक आने पर मेरा घमंड टूटा। गलती से सीखकर जीवन में नम्रता के गुण को धारण किया। एग्जाम कितना भी मुश्किल आए मैं शांत रहूंगा और चौथी बार में आई ए एस में सलेक्ट हुआ। फेल हो गया सोचना बंद कर आगे की तैयारी शुरू की। एक छात्र के सवाल का जवाब देते हुए आपने बताया कि कानून से ऊपर कोई भी नहीं है, आप अपने माता पिता के साथ अपनी शिकायत उच्च अधिकारियों से कर सकते है चाहे वो टीचर हो या प्रिंसिपल चाहे कोई भी हो। संयुक्त कलेक्टर ने इतनी संख्या में बच्चों को शांत और एकाग्रता से बातों को सुनने को देखकर संस्था के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में परमात्मा को अपना सच्चा मित्र बना कर राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास किया गया। कल संध्या 7 बजे से पीस ऑडिटोरियम में इस विंटर कार्निवाल का रंगारंग सांस्कृतिक के साथ समापन होगा।

नवा रायपुर में बनेगा छत्तीसग का पहला फार्मास्युटिकल पार्क

» मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के साथ ही फार्मास्युटिकल क्षेत्र को भी दे रही है बावा

रायपुर,28 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में सेंट्रल इंडिया का नया फार्मास्युटिकल हब बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। फार्मास्युटिकल पार्क से नए अनुसंधान, विकास और अंतर्राष्ट्रीय निवेश में वृद्धि हेतु नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) द्वारा सेक्टर 22 ग्राम तूता में छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (सीएसआईडीसी) को फार्मास्युटिकल पार्क की स्थापना के लिए 141.84 एकड़ भूमि आबंटित की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के साथ ही फार्मास्युटिकल क्षेत्र को भी बढ़ावा दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विश्व स्तरीय चिकित्सा सेवाएं आम लोगों को सहजता से सुलभ हो, इस सोच के साथ राज्य में चिकित्सा क्षेत्र में प्रभावी इको सिस्टम तैयार करने की लगातार पहल की जा रही है। छत्तीसगढ़ को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाना है तो स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ और जनोन्मुख बनाना जरूरी है। फार्मास्युटिकल पार्क की स्थापना इसी की एक कड़ी है। उन्होंने बताया कि नई औद्योगिक नीति में भी फार्मास्युटिकल क्षेत्र के उद्योगों को कई अनेक सुविधाएं और रियायतें दिए जाने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेश में वृद्धि होने के साथ ही फार्मास्युटिकल क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा एवं स्थानीय युवाओं को रोजगार प्राप्त होने के साथ ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। फार्मास्युटिकल पार्क की स्थापना से घरेलू एवं वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा उत्पादों की बढ़ती मांग को हम आसानी से पूराकर पाएँगे।

तेन्दूपत्ता संग्रहण प्रक्रिया की होगी ऑनलाईन मॉनिटरिंग:मंत्री केदार कश्यप

रायपुर,28 दिसम्बर 2024 (ए)। राज्य में तेन्दूपत्ता संग्रहण कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए इस साल से ऑनलाइन सॉफ़्टवेयर के माध्यम से निगरानी की जाएगी। यह जानकारी आज छत्तीसगढ़ के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित वनोपज राजकीय व्यापार अंतर्विभागीय समिति की बैठक दी गई। नवा रायपुर स्थित मंत्री निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में तेन्दूपत्ता संग्रहण, बांस की बहुउद्देशीय उपयोगिता और वनवासियों की आय बढ़ाने जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। राज्य में वर्तमान में तेन्दूपत्ता संग्राहकों से 5500 रूपए प्रति मानक बोरा की दर से क्रय किया जा रहा है। निजी क्रेताओं को प्रतिभूति राशि जमा करने की अवधि में 15 दिन का अतिरिक्त समय देने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही निजी गोदामों में भंडारण हेतु जमा सुरक्षा निधि की 100 प्रतिशत वापसी की सहमति भी दी गई। बैठक में प्रबंध संचालक, वन विकास निगम द्वारा सरगुजा, जशपुर, सूरजपुर, और बैंकुठपुर में पाई जाने वाली पांच प्रजातियों के बांस का प्रत्यक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

इनमें रोपा, चांई, झींगी, कटंग और पहाड़ी बांस शामिल हैं। इन बांसों का उपयोग कागज, फर्नीचर, सजावटी सामान, टेंट, सेंट्रिंग, और सब्जी उत्पादन जैसे क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है। प्रारंभिक सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 500 करोड़ रूपए मूल्य का बांस राज्य के कृषकों की भूमि पर उपलब्ध है। सब्जी उत्पादक कृषकों द्वारा प्रति वर्ष लगभग दस करोड़ रूपए के बांस का उपयोग किया जा रहा है। बैठक में जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय सड़क प्राधिकरण और रेलवे द्वारा बांस का उपयोग क्रेश बैरियर और फेसिंग में किया जा रहा है, जिससे यह काष्ठ,एल्युमिनियम और लौह का महत्वपूर्ण विकल्प बनता जा रहा है। मंत्री केदार कश्यप ने बांस बाजार का विस्तृत सर्वेक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने वनांचल में निवासरत परिवारों की आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाने के लिए समर्थन मूल्य पर अधिक लघु वनोपज के संग्रहण को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए। बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक वी. श्रीनिवास राव, राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक अनिल साहू, छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध संचालक बी. आनंद बाबू, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीता गुप्ता और उप सचिव मयंक पाण्डेय उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग को 50 जूनियर डॉक्टरों के खिलाफ मिले पत्र,गंवा सकते है नौकरी

» छात्रों की पढ़ाई के साथ उपचार के लिए आने वाले मरीजों पर भी पड़ेगा असर

» अंडर ग्रेजुएट की मेडिकल शिक्षा विभाग द्वारा नियम विरुद्ध की गई है भर्ती

रायगढ़ 28 दिसम्बर 2024 (ए)। लोक सेवा आयोग के जरिए रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में नियुक्त किए गए 50 जूनियर डॉक्टरों की नौकरी पर खतरा मंडराने लगा है। एनएमसी के नियम विपरीत होने के कारण इन पदों को सरेंडर करने के लिए पत्र लिखा गया है। रायगढ़ मेडिकल कॉलेज के डीन ने स्वास्थ्य विभाग को पत्र लिखा है। जिसमें बताया गया कि एनएमसी के अनुसार, भर्ती पोस्ट ग्रेजुएट की होनी थी, लेकिन अंडर ग्रेजुएट की मेडिकल शिक्षा विभाग द्वारा नियम विरुद्ध भर्ती की गई है।

कांग्रेस शासनकाल में हुई इन नियुक्तियों पर पत्र के अनुसार फैसला लेने से रायगढ़ मेडिकल कॉलेज की व्यवस्था चरमरा जाएगा। इसका असर केवल छात्रों की पढ़ाई पर ही नहीं, बल्कि उपचार के लिए आने वाले मरीजों पर भी पड़ेगा। कांग्रेस शासनकाल में हुई इन नियुक्तियों पर पत्र के अनुसार फैसला लेने से रायगढ़ मेडिकल कॉलेज की व्यवस्था चरमरा जाएगा। इसका असर केवल छात्रों की पढ़ाई पर ही नहीं, बल्कि उपचार के लिए आने वाले मरीजों पर भी पड़ेगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)